सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव*
18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹121752/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹148700/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹162320/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
anand Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
बिलासपुर, बुधवार 26 अगस्त 2026

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आगाज 21 अक्टूबर से, लीग में भारतीय हॉकी के नामी खिलाड़ियों और ओलंपिक पदक विजेता होंगे शामिल

हॉकी में छग रचेगा इतिहास, देश की पहली हॉकी लीग छह टीमें होंगी आमने-सामने, शुभंकर बना 'बघवा'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में हॉकी को नई पहचान और खिलाड़ियों को बड़ा मंच देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने लीग के आधिकारिक लोगो, शुभंकर और छह टीमों की पहचान का अनावरण किया। लीग का पहला सीजन प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 21 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक रायपुर के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग को ▶▶ शेष पेज 6 पर

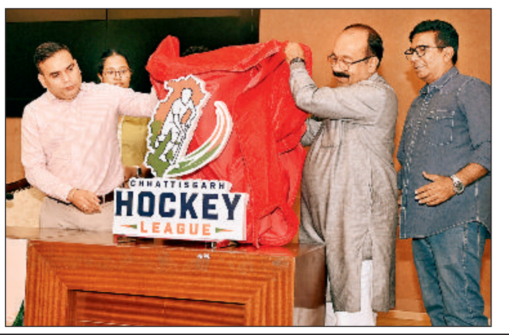

छह टीमों के नाम जारी

लीग की टीमों के नाम राजधानी रॉयल्स, चित्रकूट चैलेंजर्स, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स, चक्रधर चैंपियंस, न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटंस हैं। इन टीमों के जरिए प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों की खेल पहचान को लीग से जोड़ा गया है। इस लीग मैच से खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। इसके साथ ही प्रदेश के हॉकी स्टेडियम का बेहतर उपयोग हो सकेगा। विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों को प्रदेश में खेलने का मौका भी मिल सकेगा।

'बघवा' होगा लीग का शुभंकर

लीग के शुभंकर 'बघवा' का भी अनावरण किया गया। बाघ छत्तीसगढ़ की वन्यजीव विरासत का प्रतीक है और शुभंकर को साहस, शक्ति, दृढ़ता तथा मैदान पर मुकाबले की भावना से जोड़ा गया है। लीग की टैगलाइन चलो रे संगी, हॉकी खेलबो रखी गई है, जो प्रदेश की पहचान और हॉकी के प्रति जुनून को दर्शाती है। लीग में भारतीय हॉकी के नामी खिलाड़ियों और ओलंपिक पदक विजेताओं गुरजंत सिंह, शमशेर सिंह और सुरेंद्र कुमार के साथ जसकरण सिंह और देविंदर ▶▶ शेष पेज 6 पर

सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे लीग के सभी मैच

शिक्षक पात्रता परीक्षा का विरोध कर रहे हैं शिक्षक

सड़क पर शिक्षक... शाला परिसर में बच्चे मचाते रहे हुड़दंग, मध्यान्ह भोजन के बाद स्कूल खाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

- राज्य के सभी जिलों में रैली निकालकर सौंपा गया मुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री के नाम ज्ञापन

पदोन्नति में शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्यता का विरोध कर रहे प्रदेशभर के शिक्षक मंगलवार को हड़ताल पर उतरे। इसका सीधा असर सरकारी स्कूलों पर नजर आए। यहां विद्यार्थी स्कूल पहुंचे तो अवश्य, लेकिन उन्हें पढ़ाने वाला कोई नहीं रहा। मा यू स छात्र आपस में ही चर्चा करते रहे। मध्यान्ह भोजन मिलते ही खाना खाकर वे घर चले गए। प्रदेशभर में शिक्षकों ने रैली भी निकाली। रैली निकालकर मुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2028 तक सभी शिक्षकों के लिए टेट अर्थात शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया है। ऐसा नहीं किए जाने की स्थिति में उन्हें वेतनवृद्धि अथवा ▶▶| शेष पेज 6 पर

केस 1

लालपुर स्थित स्वामी आत्मानंद विद्यालय में शिक्षकों की हड़ताल का स्पष्ट असर दिखा। अधिकतर कक्षाओं में शिक्षक नहीं थे। सभी कक्षाओं में शोरगुल होता रहा। बच्चे स्कूल पहुंचे तो थे, लेकिन पढ़ने के स्थान पर पूरे समय टीचर को ढूंढते रहे।

केस 2

देवपुरी के शासकीय विद्यालय में सभी कक्षा के छात्र एक-दूसरे कक्ष में आते-जाते रहे। यहां केवल तीन शिक्षिकाएं ही पहुंची थी। अन्य कक्षाओं में अराजकता की स्थिति रही। कुछ बीएड टीचर भी यहां नजर आए, जो एक-दो कक्षाओं को संभाल रहे थे। टाटपट्टी पर बैठे छात्र पढ़ाई के लिए शिक्षकों का पूरे दिन इंतजार ही करते रहे।

केस 3

फूंडहर के शासकीय विद्यालय में बच्चे शोरगुल करते रहे। यहां एक कक्ष में शिक्षक डेस्क पर बैठे छात्रों को पढ़ाते नजर आए, अन्य कक्षाओं में छात्र खुद से पढ़ते रहे अथवा एक-दूसरे को पढ़ाते रहे।

केस 4

भाठागांव सहित अन्य आउटर के स्कूलों में स्थिति अत्यंत चिंतनीय रही। यहां शिक्षकों के ना आने पर छात्र मध्यान्ह भोजन कर खुद ही घर चले गए। जिन स्कूलों में एक-दो शिक्षक ही आए थे, वहां भी कुछ घंटे बाद अवकाश घोषित कर दिया गया।

चर्चा के लिए शिक्षामंत्री का मोर्चा को बुलावा

प्रदेशभर में छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रदेश संयोजक संजय शर्मा, केदार जैन और वीरेंद्र दुबे के अगुवाई में हजारों शिक्षकों ने हर जिले में प्रदर्शन किया। इसकी जानकारी शिक्षा मंत्री और शिक्षा विभाग तक भी पहुंची। इसके बाद शिक्षा विभाग हरकत में आया। प्रदेश के शिक्षकों की पांच बिंदु के मांग के विषय में विशेष कर टेट अनिवार्यता के विषय में बुधवार को शिक्षा मंत्री के बंगले में चर्चा हेतु आमंत्रित किया गया। प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव द्वारा शिक्षक मोर्चा के प्रतिनिधियों से टेट अनिवार्यता की गतिरोध और अन्य विषयों पर चर्चा कर कोई निर्णय लिया जाएगा।

मप्र की तर्ज पर हो व्यवस्था

मध्यप्रदेश में शिक्षकों को टेट परीक्षा उत्तीर्ण कराने के लिए केवल शिक्षकों के लिए विशेष विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षकों का आरोप है कि शिक्षा विभाग से इस संदर्भ में चर्चा की गई थी, लेकिन उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया। वर्तमान आंदोलन में प्रदेशभर के सभी शिक्षक संघ छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले एकजुट हुए हैं। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रदेश संयोजक संजय शर्मा और वीरेंद्र दुबे ने कहा, यदि उन्हें राहत नहीं मिली तो वे आंदोलन का विस्तार करेंगे।

68 लाख बहनों के खातों में रक्षाबंधन से पहले भेजे गए 631 करोड़

बहनों ने बांधी स्नेह की डोर, 'विष्णु भैया' ने दिया सुरक्षा और सम्मान का भरोसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले राजधानी रायपुर में मंगलवार को भाई-बहन के स्नेह और राष्ट्ररक्षा के संकल्प का भावपूर्ण संगम देखने को मिला। बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'स्नेह की डोर' कार्यक्रम में केंद्रीय सुरक्षा बलों, सेना और पुलिस के जवानों की कलाइयों पर जब स्कूली बेटियों, दिव्यांग बेटियों और महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने रक्षा सूत्र बांधे तो पूरा वातावरण आत्मीयता, सम्मान और कृतज्ञता के भाव से भर उठा।

कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब वर्ष 2017 में रक्षाबंधन के ठीक एक दिन पूर्व नक्सली मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए शहीद उपनिरीक्षक युगल किशोर वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधी। मुख्यमंत्री इस ▶▶ शेष पेज 6 पर

नक्सलवाद के अंत से बहनों को मिला बड़ा उपहार

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़ हमारी बहनों के लिए सुरक्षा और विश्वास का सबसे बड़ा उपहार है।

माधुरी ने बांधी राखी भावुक हुए मुख्यमंत्री

कार्यक्रम में नक्सली मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त उप निरीक्षक युगल किशोर वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधी। इस आत्मीय क्षण में मुख्यमंत्री भावुक हो उठे। मुख्यमंत्री श्री साय ने भावुक स्वर में कहा, मेरी कोई सगी बहन नहीं है। हम लोग भाई ही भाई हैं। आज माधुरी जी ने मेरी कलाई पर राखी बांधी है। मुझे सगी बहन से भी बढ़कर बहन मिली है।

खातों में पहुंची महतारी वंदन की 31वीं किस्त

भाई-बहन के अटूट स्नेह के पावन पर्व रक्षाबंधन से पहले मंगलवार को बालोद जिले के डौंडीलोहारा में एक आत्मीय और भावपूर्ण दृश्य देखने को मिला। प्रदेश की लाखों बहनों के 'विष्णु भैया' मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महतारी वंदन सम्मान समारोह में प्रदेश की 67 लाख से अधिक माताओं-बहनों के बैंक खातों में महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में 631 करोड़ 38 लाख से अधिक की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री ने बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि हमारी माताओं-बहनों के चेहरे पर मुस्कान, उनका आत्मविश्वास और उनका आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

खबर संक्षेप

सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति राव आंध्र के लोकायुक्त

विजयवाडा। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश टी मल्लिकार्जुन राव ने आंध्र प्रदेश के लोकायुक्त के रूप में शपथ ली। लोक भवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की उपस्थिति में न्यायमूर्ति राव को पद की शपथ दिलाई। विज्ञप्ति में बताया गया कि इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री के. श्रीनिवास सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

1.25 करोड़ का गांजा जब्त, एक गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना के हनमकोंडा जिले में पुलिस ने 55 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 1.25 करोड़ रुपए मूल्य का 251 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने गांजा तस्कर के घर की तलाशी ली और वहां से 251 किलोग्राम गांजा, एक दोपहिया वाहन, 9,000 रुपए नकद तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया।

जहरीली शराब कांड में 13 और आरोपी गिरफ्तार

भावनगर। गुजरात पुलिस ने भावनगर जहरीली शराब कांड में 13 और लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक मध्यप्रदेश निवासी भी शामिल है, जिस पर जहरीली शराब तैयार करने में अहम भूमिका निभाने का आरोप है। इन गिरफ्तारियों के साथ ही पिछले सप्ताह सामने आए इस कांड में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है।

जिलों के प्रभारी मंत्रियों के दो माह के काम की समीक्षा

प्रभारियों से पूछा-मंत्री बैठक ले रहे हैं या नहीं?

सीएम साय सहित जिलों के प्रभारी मंत्री विधायक, सांसद पहुंचे भाजपा कार्यालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित प्रदेश के कई मंत्री जो जिलों के प्रभारी मंत्री हैं, मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पहुंचे। यहां पर सत्ता और संगठन में तालमेल को लेकर घंटों मंथन चला। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और पवन साय ने प्रभारी मंत्रियों से वन टू वन बात करके जानने का प्रयास किया कि उनके जिले में क्या-क्या चल रहा है। पहले दिन 16 जिलों पर चर्चा की ▶▶ शेष पेज 6 पर

सीएम के साथ भी बैठक

शाम को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी पहुंचे। इसके बाद प्रभारी मंत्रियों, विधायकों और सांसद सहित प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ सत्ता और संगठन के तालमेल को लेकर लंबा मंथन किया गया। बैठक में प्रदेश संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी भी शामिल हुए। दूसरे दिन बुधवार को फिर से 17 जिलों के प्रभारी मंत्रियों, विधायक, सांसद और जिलाध्यक्षों, जिलों के प्रभारियों के साथ बैठक होगी। बैठक में जिलों की समीक्षा करके जानने का प्रयास होगा कि जिलों में ▶▶ शेष पेज 6 पर

पहले दिन 16 जिलों पर चर्चा

ठाकरे परिसर में प्रभारी मंत्रियों की दो दिनों की बैठक तय की गई है। पहले दिन मंगलवार को 16 जिलों के प्रभारी मंत्रियों से चर्चा की गई। इसमें डिप्टी सीएम अरुण साव, केदार कश्यप, लखन लाल देवांगन, दयालदास बघेल, राजेश अग्रवाल शामिल हैं। प्रभारी मंत्रियों के साथ ही जिलों के प्रभारी, जिलाध्यक्षों, विधायकों और सांसदों को भी बुलाया गया। सभी से पूरी जानकारी ली गई कि उनके जिले में काम ठीक चल रहा है या क्या कोई कमी है। प्रभारी मंत्रियों की बैठक के बारे में जानकारी ली गई कि मंत्री बैठक ले रहे हैं या नहीं ले रहे हैं। समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली गई। जिन जिलों से समस्याओं की जानकारी सामने आई, उनके समाधान के लिए भी ▶▶ शेष पेज 6 पर

रक्षाबंधन पर दुर्ग-रायगढ़ के बीच पैसेंजर स्पेशल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रक्षाबंधन पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने दुर्ग-रायगढ़-दुर्ग के बीच रक्षाबंधन पैसेंजर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 08834/08833 27 से 29 अगस्त 2026 तक कुल तीन फेरे लगाएगी। इससे दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, रायगढ़ सहित मार्ग के अन्य स्टेशनों के यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा सुविधा मिलेगी। गाड़ी संख्या 08834 दुर्ग-रायगढ़ पैसेंजर स्पेशल दुर्ग से सुबह 10.30 बजे रवाना ▶▶ शेष पेज 6 पर

27 से 29 अगस्त तक, तीन फेरे लगाएगी रक्षाबंधन स्पेशल

दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर और रायगढ़ के यात्रियों को मिलेगी अतिरिक्त सुविधा

रायगढ़ से शाम 7.40 बजे वापसी

वापसी में गाड़ी संख्या 08833 रायगढ़-दुर्ग पैसेंजर स्पेशल रायगढ़ से शाम 19.40 बजे रवाना होगी। ट्रेन 22.20 बजे बिलासपुर, 23.25 बजे भाटापारा, रात 00.40 बजे रायपुर पहुंचेगी और अगले दिन सुबह 2 बजे दुर्ग पहुंचेगी। रक्षाबंधन स्पेशल ट्रेन में कुल 10 आईसीएफ कोच लगाए जाएंगे। इनमें 8 जनरल कोच और 2 एसएलआरडी कोच शामिल होंगे। रेलवे के इस विशेष परिचालन से त्योहार के दौरान यात्रियों को अतिरिक्त ट्रेन सुविधा मिलने से भीड़ को संभालने में मदद मिलेगी।

ईरान से पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर कार्रवाई

अमेरिका ने चार भारतीय कंपनियों पर लगाया बैन

नई दिल्ली। पश्चिम-एशिया सहित खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते युद्ध के बीच ईरान की आर्थिक नाकेबंदी में जुटे अमेरिका ने अब उससे पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात करने वाले देशों जैसे भारत की चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अपने एक बयान में कहा कि अमेरिका ने ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट के जरिए यह प्रतिबंध लगाया गया है। जिसका उद्देश्य तेहरान के लिए राजस्व से जुड़े तमाम स्त्रोतों पर रोक लगाना है। जिन ▶▶ शेष पेज 6 पर

आर्थिक संबंध खत्म करें वरना कार्रवाई होगी

बेसेंट के मुताबिक, अमेरिका का यह कदम ईरान की वित्तीय जीवन रेखा यानी लाइफ लाइन को काटने की दिशा में एक अभूतपूर्व अभियान से कम नहीं होगा। जिसमें खासतौर पर उन संस्थाओं, देशों, कंपनियों या संगठनों पर द्वितीयक प्रतिबंधों का खतरा बढ़ गया है। जो तेहरान के साथ अपना व्यापार बनाए रखते हैं। अमेरिका ने दुनिया देशों को यह चेतावनी भी दी है कि वह ईरान के साथ अपने आर्थिक संबंध समाप्त करें। वरना उन्हें अमेरिकी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। यहां बता दें कि पूर्व में अमेरिका ने भारत सहित दुनिया के रूस से सबसे ज्यादा कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर 100% टैरिफ लगाने को लेकर एक बिल अपनी संसद से पारित किया है।

चीनी के बढ़ते दामों पर एक्शन में सरकार, छत्तीसगढ़ में थोड़ी राहत

विदेशी चीनी को दो महीने में बेचना जरूरी, इधर, रायपुर में 3 रुपए सस्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली/रायपुर

आयातित कच्ची चीनी को 2 महीने में करना होगा रिफाइंड

हरिभूमि फॉलोअप

चीनी के बढ़ते दामों पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने इसके आयात से जुड़े नियमों को सख्त कर दिया है। अब टैरिफ रेट कोटा के तहत विदेश से आने वाली कच्ची चीनी को 60 दिनों के अंदर प्रोसेस कर बाजारों में बेचना होगा। इस फैसले से चीनी की जमाखोरी पर रोक लगेगी और बाजार में ▶▶ शेष पेज 6 पर

रायपुर में शक्कर के दाम तीन रुपए कम

रायपुर। राजधानी रायपुर में भी अब शक्कर के दाम लगातार कम हो रहे हैं। कैट के कार्यकारी अध्यक्ष और थोक कारोबारी राम मंधान के मुताबिक शनिवार को डूमतराई बाजार में शक्कर के थोक में दाम 61 रुपए थे जो सोमवार को 60 रुपए और अब मंगलवार को कम होकर 58 रुपए हो गए हैं। आने वाले समय में इसके दाम और कम होंगे।

सरकार ने यह कदम भी उठाए

- ▶▶ चीनी के आयात को टैक्स फ्री भी कर दिया
- ▶▶ निर्यात पर 30 सितंबर 2026 तक रोक लगा दी है।
- ▶▶ डीलरों के लिए 30 नवंबर तक 400 टन तक की स्टॉक लिमिट तय की।

सरकार का दावा

चीनी का मिल भाव 18 प्रतिशत घटा : खाद्य सचिव

चीनी के आयात की अनुमति दिए जाने और जमाखोरी एवं सट्टेबाजी पर सरकार के अंकुश लगाने के बाद इसके मिल भाव 18 प्रतिशत घटकर 55 रुपये प्रति किलोग्राम रह गए हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हालांकि, मिल भाव में आई गिरावट का असर थोक और खुदरा बाजारों में दिखना अभी बाकी है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक, 24 अगस्त को देश में चीनी का औसत थोक भाव 58.29 रुपये और खुदरा भाव 63.05 रुपए प्रति किलोग्राम रहा। मिलों के स्तर पर चीनी के भाव पिछले सप्ताह रिकॉर्ड 67 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए थे। चोपड़ा ने कहा कि मिलों द्वारा भाव बढ़ाए जाने के कारण यह तेजी आई थी। उन्होंने कहा, मिलों द्वारा बढ़ाए गए चीनी के मिल भाव अब कम होने लगे हैं। ये घटकर 55 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गए हैं और आने वाले दिनों में इनमें और गिरावट आएगी।

ढाई वर्षों में पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण पहल

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने विभाग की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ को प्रकृति ने चित्रकोट और तीरथगढ़ जैसे जलप्रपात, बस्तर और सरगुजा की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सिरपुर जैसी ऐतिहासिक विरासत तथा मां दंतेश्वरी और मां महामाया जैसे प्रमुख आस्था केंद्रों की समृद्ध विरासत प्रदान की है। सरकार का लक्ष्य इन प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संपदाओं को देश और दुनिया के सामने नई पहचान दिलाना है।

उन्होंने बताया कि पिछले लगभग ढाई वर्षों में पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई है। फिल्मसिटी निर्माण के लिए 203 करोड़ 53 लाख के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। फिल्म पर्यटन और बड़े आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए फिल्मसिटी एवं कन्वेंशन सेंटर के विकास की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 350 करोड़ है। बस्तर को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन आकर्षण में से एक बताते हुए

फिल्मसिटी निर्माण के लिए 203 करोड़ 53 लाख के निवेश प्रस्ताव : अग्रवाल

चित्रकोट को केवल जलप्रपात के रूप में नहीं, बल्कि विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। वहीं सिरपुर के विस्तृत पर्यटन विकास के लिए एकीकृत मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। मैनपाट और जशपुर जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्रों में भी पर्यटक सुविधाओं एवं अनुभव को बेहतर बनाने के प्रयास जारी हैं।

मंत्री ने बताया कि आज का पर्यटक अपनी यात्रा की शुरुआत मोबाइल से करता है। इसी को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग की नई वेबसाइट और मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग, डिजिटल सूचना और पर्यटन सुविधाओं को एकीकृत किया जा रहा

सिरपुर के विस्तृत पर्यटन विकास के लिए एकीकृत मास्टर प्लान तैयार

है। पिछले दो वर्षों में ऑनलाइन बुकिंग से लगभग 6 करोड़ 48 लाख तथा पर्यटन इकाईयों से लगभग 31 करोड़ 75 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ है। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा, 2028 तक छत्तीसगढ़ पर्यटन की नई पहचान देश और दुनिया के सामने स्थापित करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन के अंतर्गत अगले पांच वर्षों में प्रतिवर्ष 100 करोड़ के वित्तीय प्रावधान की दिशा में कार्य किया जा रहा है। प्रस्तावित पर्यटन नीति-2026 में सतत विकास, निजी निवेश, समुदाय आधारित पर्यटन और स्थानीय भागीदारी को प्राथमिकता दी जाएगी।

18 पर्यटन संपत्तियों के विकास में निजी भागीदारी

प्रदेश में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक स्थलों और फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा की। मंत्री राजेश अग्रवाल ने बताया कि बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चित्रकोट के पास 25 करोड़ रुपए की लागत से टेंट सिटी विकसित करने की योजना है। चित्रकोट को भारत सरकार की 'वन स्टेट वन ग्लोबल डेस्टिनेशन' पहल के तहत प्रस्तावित किया गया है।

पर्यटन, संस्कृति मंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के लिए "छत्तीसगढ़ फिल्म नीति-2021" में आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया चल रही है। वहीं नवा रायपुर में 350 करोड़ की लागत से फिल्म सिटी का निर्माण जारी है और छत्तीसगढ़ में बनने वाली फिल्मों को सब्सिडी देने की योजना पर भी काम चल रहा है। प्रदेश में होमस्टे पॉलिसी 2025-30 लागू है और 7 जिलों के 85 लोगों का होमस्टे विकास के लिए चयन किया गया है।

सिरपुर को विश्व धरोहर बनाने की पहल

सिरपुर को विश्व धरोहर के रूप में स्थापित करने की पहल, पुरखौती मुक्तांगन में लाइट एंड साउंड शो, पांडुलिपियों के सर्वेक्षण व डिजिटलीकरण पर काम जारी है। वहीं आरंग के रीवा के मुक्तिकागढ़ में पुरातात्विक उत्खनन से 2,750 साल पुरानी मानव बसाहट के प्रमाण सामने आए हैं।

4 शहरों में दौड़ेंगी 240 ई-बसें, बेहतर परिवहन के लिए बनी रणनीति

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चार प्रमुख शहरों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए 'पीएम-ईबस सेवा' योजना के तहत 240 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी तेज हो गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा और केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के निदेशक भानु प्रताप सिंह भदौरिया की उपस्थिति में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई।

राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) सुमीत अग्रवाल ने बैठक में बताया कि इन चारों शहरों के लिए 240 ई-बसों की स्वीकृति मिल चुकी है। योजना का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छ, सुलभ और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना है।

बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बसों के मार्गों (रूट्स) का चयन शहरों की वास्तविक आवश्यकताओं और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाए। स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, प्रमुख बाजार और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों को ई-बस नेटवर्क से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। प्रमुख सचिव ने कहा कि अल्पकालिक (शॉर्ट-टर्म) और दीर्घकालिक (लॉग-टर्म) रूट प्लान तैयार किए जाएं। यात्रियों की संख्या, दूरी और मांग के

आधार पर चरणबद्ध (फेजवार) अध्ययन कर रूट्स को अंतिम रूप दिया जाए। नागरिकों की सुविधा के लिए किस मार्ग पर कितनी बसें चल रही हैं, इसका स्पष्ट रूट चार्ट सार्वजनिक किया जाएगा।

ई-बसों के संचालन के लिए डिपो, चार्जिंग स्टेशन और आधुनिक बस स्टॉप जैसी आधारभूत संरचना को समानांतर रूप से विकसित करने के निर्देश दिए गए। भविष्य में बसों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए डिपो की क्षमता तय की जाएगी। निर्माण कार्यों और भूमि आवंटन के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और रेलवे जैसे विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर समय पर स्वीकृतियां प्राप्त करने को कहा गया। बस स्टॉप्स के विकास में पीपीपी मॉडल की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

डिजिटल निगरानी और समय-सीमा

बसों के प्रभावी संचालन और यात्रियों की सुरक्षा के लिए कमांड एवं कंट्रोल सिस्टम तथा आधुनिक डिजिटल तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इससे बसों के लोकेशन, रूट और यात्रियों की संख्या की वास्तविक समय (रियल-टाइम) मॉनिटरिंग संभव होगी। इसके साथ ही, महिलाओं के लिए विशेष बस सेवा शुरू करने की योजना पर भी चर्चा हुई। बैठक में 30 अक्टूबर तक निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने और 1 नवंबर की समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए कार्यों में तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

पदोन्नति का बेंचमार्क तय करना डीपीसी का विशेषाधिकार, इसमें हस्तक्षेप नहीं

एडिशनल एसपी पोस्टिंग के मानदंड को चुनौती देने वाली महिला डीएसपी की याचिका खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि पदोन्नति और पदस्थापना के लिए मूल्यांकन का न्यूनतम बेंचमार्क तय करना पूरी तरह से विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) के अधिकार क्षेत्र और विवेक के अंतर्गत आता है। जस्टिस बिभू दत्त गुरु की एकल पीठ ने एडिशनल एसपी के पद पर पदस्थापना के लिए चयन नहीं किए जाने को चुनौती देने वाली एक महिला डीएसपी की रिट याचिका को खारिज करते हुए यह निर्णय सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि हालांकि एक योग्य अधिकारी के पास पदोन्नति या पदस्थापना के लिए विचार किए जाने का अधिकार होता है, लेकिन केवल पात्रता मानदंड पूरा करने से पद पाने का कोई अटूट या निहित अधिकार हासिल नहीं हो जाता। चयन समिति द्वारा अपनाए गए मानदंडों में किसी भी प्रकार का मनमानापन, पक्षपात या प्रक्रियात्मक अवैधता न पाते हुए अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया है।

2014 बैच की सीधी भर्ती डीएसपी माधुरी धीरही, जो वर्तमान में सीनियर स्केल में कार्यरत हैं, ने 10 दिसंबर 2025 की विभागीय पदोन्नति/स्क्रीनिंग कमेटी के फैसले को रद्द करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ता ने आठ वर्ष की अर्हता सेवा पूरी कर ली थी और एडिशनल एसपी के पद पर पदस्थापना के लिए निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करती थीं। हालांकि, दिसंबर 2025 में हुई अपनी स्क्रीनिंग बैठक के दौरान डीपीसी ने उन्हें पदस्थापना के लिए "योग्य नहीं घोषित कर दिया था। डीपीसी ने पिछले पांच वर्षों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) के आधार पर न्यूनतम "गुड" ग्रेडिंग और कुल मिलाकर न्यूनतम 15 अंकों का बेंचमार्क तय किया था। याचिकाकर्ता को चार "वेरी गुड" ग्रेडिंग (प्रत्येक के लिए 3 अंक) और एक "गुड" ग्रेडिंग (2 अंक) प्राप्त हुई थी, जिससे उनका कुल योग 14 अंक हुआ। 15 अंकों की आवश्यक सीमा से 1 अंक कम रहने के कारण चयन समिति ने उन्हें अनफिट पाया था।

वैधानिक आधार के बिना श्रेणी तय किया- याचिका में याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक रंजन तिवारी और अधिवक्ता अतुल कुमार केशरी ने तर्क दिया कि धीरही 2005 के नियमों के नियम 23 के तहत निर्धारित सभी वैधानिक पात्रता शर्तों को पूरा करती हैं। उन्होंने दलील दी कि डीपीसी ने नियमों में किसी वैधानिक आधार के बिना मनमाने ढंग से "गुड" श्रेणी के तहत 15 अंकों का बेंचमार्क लागू कर दिया, जो कि संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। पांच वर्षों में 15 अंकों की आवश्यकता का व्यावहारिक अर्थ यह था कि अधिकारी को पांचों वर्षों के लिए वेरी-गुड" ग्रेडिंग के बराबर अंक लाने होंगे। कोर्ट ने कहा कि बेंचमार्क तय करना पूरी तरह से डीपीसी/चयन समिति के विशेष अधिकार क्षेत्र और विवेक के भीतर आता है। सामान्य तौर पर, इसमें तब तक हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता जब तक कि इसे मनमाना, भेदभावपूर्ण या किसी वैधानिक प्रावधान के विपरीत न दिखाया जाए।

विद्यार्थियों को फोन-पैसे दें, कृषि पाठ्यक्रम में करा देंगे दाखिला, विवि ने कहा-असामाजिक तत्वों से सावधान!

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विवि की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब एक नया मामला फर्जी फोन कॉल्स का आया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, छात्रों को फोन करके यह कहा जा रहा है कि यदि वे निर्धारित राशि तय समय पर जमा कर दें तो मनचाहे कॉलेज में उन्हें दाखिला मिल सकता है। इन फोन कॉल्स की जानकारी सामने आने के साथ ही कृषि विवि द्वारा स्पष्टीकरण जारी कर दिया गया है। विवि ने इन फोन कॉल्स को फर्जी बताते हुए छात्रों से इनके झांसे में ना आने की बात कही है।

सप्ताह भर के भीतर कृषि विवि से जुड़ा यह दूसरा विवाद है। 20 अगस्त को पर्चा लीक होने के बाद पूरे विवि प्रबंधन में हड़कंप मच गया था। जांच के बाद दो परीक्षाएं रद्द भी की गई। विवि द्वारा परीक्षा कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए नए उपाय किए जा रहे हैं। इसके मध्य यह नया मामला सामने आ गया। सावधानी बरतते हुए विवि ने प्रारंभिक सूचना के बाद ही छात्रों के लिए अलर्ट जारी कर दिया है।

विवि प्रबंधन द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, बीएससी ऑनर्स कृषि प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए पीएटी काउंसलिंग कृषि महाविद्यालय, रायपुर में संचालित की जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन के यह संज्ञान में आया है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा दूरभाष के माध्यम से विद्यार्थियों एंव उनके पालकों को फोन कर प्रवेश अथवा सीट दिलाने के नाम पर राशि की मांग की जा रही है। अतः पीएटी काउंसिलिंग 2026 के समस्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि ऐसे किसी भी व्यक्ति के बहकावे में न आएं तथा प्रवेश अथवा सीट दिलाने के नाम पर किसी को भी कोई राशि प्रदान न करें। यदि किसी अभ्यर्थी को इस प्रकार का फोन अथवा कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है, तो उसकी शिकायत तत्काल विश्वविद्यालय प्रशासन से करें। प्रवेश की पूर्ण प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित की जा रही है। अभ्यर्थी केवल विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित आधिकारिक काउंसिलिंग प्रक्रिया एवं माध्यमों का ही पालन करें।

अधिक रैंक वालों को फोन

प्रदेश में केवल कृषि विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में ही कृषि पाठ्यक्रम का संचालन होता है। सीमित सीटों के कारण कृषि पाठ्यक्रमों में प्रतिस्पर्धा अधिक है। छग कर्मचारी चयन मंडल (पूर्व नाम व्यापम) द्वारा आयोजित प्री एग्रीकल्चर टेस्ट में मिले अंकों के आधार पर छात्रों की रैंक निर्धारित होती है और उन्हें दाखिला दिया जाता है। कम रैंक वाले छात्रों को शुरुआती चरणों में ही प्रवेश मिल जाते हैं, किंतु अधिक रैंक वाले विद्यार्थियों के लिए कंपीटिशन अधिक होता है। ऐसे में अधिक रैंक वालों को ही फोन किए जा रहे हैं। हालांकि छात्रों के डाटा उन्हें कहां ये मिले, यह अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

कंपनी का फर्जी ई-मेल भेजकर आरटीजीएस के जरिए ट्रांसफर कराई रकम

कार कंपनी का डायरेक्टर बताकर बैंक मैनेजर से 5 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

साइबर ठगी करने वाले जालसाज अब आम लोगों के साथ बैंक कर्मियों को भी अपना निशाना बनाने लगे हैं। राजधानी रायपुर में साइबर ठगों ने भारतीय स्टेट बैंक की आईजीकेवी शाखा के ब्रांच मैनेजर को अपना निशाना बनाते हुए उससे 5 लाख रुपए की ठगी की है। आरोपी ने खुद को किआ इंटारा कार कंपनी का डायरेक्टर बताकर तथा दो करोड़ रुपए की एफडी कराने का झांसा देकर जालसाजी को अंजाम दिया। ब्रांच मैनेजर की रिपोर्ट पर तेलीबांधा पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

तेलीबांधा थाना प्रभारी ने बताया कि बैरन बाजार स्थित भारतीय स्टेट बैंक आईजीकेवी की ब्रांच मैनेजर श्वेता शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक अंजान मोबाइल नंबर से उसे 21 अगस्त को कॉल आया था। कॉल करने वाले व्यक्ति ने

बताया कि वह किआ इंटारा कार कंपनी का डायरेक्टर प्रशांत मंधान है। अपना परिचय देते हुए उसने 2 करोड़ रुपए की एफडी कराने की बात कहते हुए ब्याज की जानकारी मांगी। इस पर मैनेजर ने उसे बताया कि एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज है। इसके बाद आरोपी मोबाइल धारक ने 24 अगस्त को एफडी कराने के लिए बैंक आने की बात कही। ठग ने इस दिन दोबारा ब्रांच मैनेजर को फोन लगाकर एफडी कराने की बात कहते हुए बताया कि दोपहर तक एफडी की रकम बैंक में आ जाएगी, लेकिन जब रुपए नहीं आए तो मैनेजर ने दोबारा उसी नंबर पर कॉल किया। इस पर आरोपी ने चेकबुक खत्म होने की बात कहते हुए मैनेजर को बताया कि उसे किसी को इमरजेंसी में आरटीजीएस के जरिए 5 लाख रुपए मेडिकल ट्रांसजेक्शन करने हैं। इस पर मैनेजर ने उसे कहा कि वह कंपनी के लेटर के बिना रकम ट्रांसफर नहीं कर सकती। इसके लिए कंपनी का लेटर ई-मेल से भेजना होगा। आरोपी ने इसके बाद बैंक शाखा मैनेजर के ई-मेल पर लेटर भेजा, जिसे देखने के बाद आरोपी के बताए खाते में आरटीजीएस के जरिए 4 लाख 99 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। बैंक से ट्रांसफर किए गए 5 लाख रुपए केनरा बैंक शाखा कुर्ला मुंबई भेजे गए थे। यह खाता किसी उबेद खान के नाम से होना बताया गया है। इधर रकम ट्रांसफर होने के बाद ब्रांच मैनेजर को जब अहसास हुआ कि उसके साथ ठगी हुई है तो उसने किआ इंटारा कंपनी के मैनेजर से पतासाजी की।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

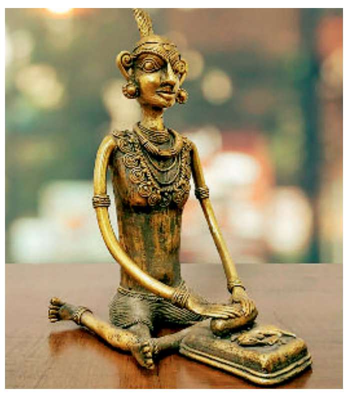

50 का लोहा 150 रुपए, कोयला, पॉलिश भी महंगा, संकट में बेलमेटल और लौह शिल्प कला

पीतल और लकडी का दाम हुआ दोगुना

बेलमेटल शिल्प कला के संग्रहकर्ता और जानकार व्यवसायी अनिल लुंकड ने बताया कि रॉ मटेरियल का दाम दो से तीन गुना बढ़ गया है । वहीं पुराना पीतल भी अब नहीं मिल रहा है । इसमें लगने वाला मुख्य आइटम मोम भी 100-150 रुपए में मिल जाता था जो अब 300 हो गया है । लकडी का कीमत भी दोगुना से ज्यादा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सफाई का काम नहीं होने से बेलमेटल का मूल स्वरूप समाप्ति की ओर है ।

सुरेश रावल ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ का बस्तर अपनी आदिवासी संस्कृति, लोक परंपराओं और हस्तशिल्प के लिए देश-दुनिया में अलग पहचान रखता है। इन्हीं पारंपरिक कलाओं में ढोकरा कला का विशेष स्थान है। बेल मेटल से तैयार होने वाली यह कला केवल सजावटी वस्तुओं का निर्माण नहीं, बल्कि बस्तर की जनजातीय ▶▶|शेष पेज 6 पर

सरकार से मिल रहा 5000 पेंशन

दादा परदादा जमाने से हमारा परिवार लौहशिल्प निर्माण का काम कर रहा है। मैं स्वयं 50 साल से इस काम में लगा हूं। मेरे दो बेटे भी यही काम कर रहे है तथा उनके बच्चे भी पढाई के बाद कुछ समय देकर रूचि ले रहे हैं। इस कला के कारण अमेरिका और हांगकांग तथा देश के सभी बडे शहरों में जाने का अवसर मिला है। राष्ट्रपति और प्रदेश सरकार से सम्मान मिला है। हर महीने 5000 पेंशन मिल रहा है। समस्या मार्केटिंग और सामान के मंहगा होने से है, इस पर सरकार ध्यान दे।

-**विद्याधर विश्वकर्मा**, लौह शिल्पी नगरनार

बाजार का लाभ सभी शिल्पकारों तक पहुंचाना चुनौती

ऑनलाइन बाजार और सोशल मीडिया ने शिल्पकारों के लिए नए अवसर भी पैदा किए हैं। इससे स्थानीय उत्पादों को देश के अन्य हिस्सों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक पहुंचाने की संभावना बढ़ी है। हालांकि डिजिटल बाजार का लाभ सभी शिल्पकारों तक समान रूप से पहुंचाना अभी भी एक चुनौती है। शिल्पकारों को उचित मूल्य, कच्चे माल की उपलब्धता, प्रत्यक्ष बाजार, प्रशिक्षण, ▶▶|शेष पेज 6 पर

सांचा तोड़कर कलाकृति का निर्माण

ढोकरा निर्माण में मिट्टी, मोम, धान की भूसी, कोयला और धातु जैसी सामग्रियों का इस्तेमाल किया जाता है। इस कला की सबसे खास बात इसकी लॉस्ट-वैक्स या 'वैक्स-लॉस्ट' तकनीक है। पहले मिट्टी का आधार तैयार किया जाता है, फिर मोम की पतली तारों से ▶▶|शेष पेज 6 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का सामान्य कूपन
कल के अंक में देखें।

खबर संक्षेप

पैसे दोगुने करने का झांसा देकर 28 लाख की ठगी

छतरपुर। टेलीग्राम ऐप पर रेटिंग बढ़ाने का काम दिलाने और पैसा दोगुना करने का झांसा देकर कथित तौर पर 28 लाख की साइबर ठगी की गई। इस मामले में पुलिस ने एक अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की टीम ने आरोपियों के कब्जे से कुछ एटीएम कार्ड, दो मोबाइल फोन और 38 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। मोहित चौबे नाम के एक शख्स ने खजुराहो थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

छात्रा की हेडस्कार्फ पहनने की याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने कहा- हिजाब जरूरी धार्मिक प्रथा नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मुस्लिम छात्रा की स्कूल यूनिफॉर्म के साथ हेडस्कार्फ पहनने की अनुमति मांगने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई तथ्य या कानूनी आधार पेश नहीं किया गया जिससे यह साबित हो सके कि इस्लाम में हेडस्कार्फ पहनना एक जरूरी धार्मिक प्रथा है। कोर्ट में यह याचिका प्रयागराज के टैगोर पब्लिक स्कूल की एक छात्रा ने अपनी मां के जरिए दायर की थी।

एजेंसी ▶▶| प्रयागराज

अलग खबर

छात्रा ने हाई स्कूल पास करने के बाद उसी स्कूल में 11वीं कक्षा में दाखिला लेने की कोशिश की और स्कूल की तय यूनिफॉर्म के साथ सिर पर स्कार्फ पहनने की इजाजत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की बेंच ने कहा कि हमने याचिकाकर्ता से जुड़ी अलग-अलग क्लास की तस्वीरें देखी हैं। उसके अलावा किसी और छात्रा ने हेडस्कार्फ नहीं पहना है, यहां तक कि उसी धार्मिक समुदाय की छात्राओं ने भी नहीं। हाईकोर्ट की राय एक जैसी रही कि महिलाओं के लिए हेडस्कार्फ पहनना इस्लामिक आस्था का कोई जरूरी हिस्सा नहीं है, जिसके बिना आस्था खतरे में पड़ जाए। कोर्ट ने आगे कहा कि यहां ऐसा कोई तथ्य या सबूत पेश नहीं किया गया है जिससे यह साबित हो सके कि मुस्लिम महिला के लिए सिर पर स्कार्फ पहनना धर्म का एक जरूरी हिस्सा है और इसे न पहनने पर वह महिला या लड़की उस धर्म से बाहर हो जाएगी जिसे वह मानती है।

कोर्ट ने कहा- कानूनी आधार होना चाहिए

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 25 (धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार) पर आधारित किसी दावे को सिर्फ कहने भर से स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके लिए जरूरी तथ्यात्मक और कानूनी आधार होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि रिट याचिका को देखने से पता चलता है कि याचिकाकर्ता ने इस बारे में कोई दलील नहीं दी है, सिवाय इसके कि वह बचपन से और छठी कक्षा में स्कूल में दाखिला लेने के बाद से ही ऐसा करती आ रही है।

पर्सनल लॉ बोर्ड देगा चुनौती

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने की तैयारी में है, जिसमें एक छात्रा को स्कूल की निर्धारित वर्दी के साथ हिजाब या सिर पर स्कार्फ पहनने की अनुमति देने की अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी गई थी। एआईएमपीएलबी सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा, हमें मामले की जानकारी है। कहीं न कहीं कुछ भ्रम है, क्योंकि हिजाब हमेशा से इस्लाम का अहम हिस्सा रहा है। हम निश्चित रूप से अदालत जाएंगे और अपना पक्ष रखेंगे।" मौलाना ने कहा कि संविधान व्यक्ति को अपने धर्म के मूल और अभिन्न सिद्धांतों का पालन करने की अनुमति देता है।

सियासत

इधर, मनुस्मृति पर बयान के जवाब में हिजाब वाला वीडियो

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मनुस्मृति पर दिए गए बयान को लेकर सियासत जारी है। इस बीच अब भाजपा ने उनके हिजाब के समर्थन में दिए उनके पुराने बयान का हवाला देते हुए उन्हें आड़े हाथों लिया है। भाजपा ने राहुल गांधी पर 'पांखड' का आरोप लगाया है। भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल गांधी का एक पुराना वीडियो शेयर किया है। इसमें राहुल से एक इवेंट में एक लड़की के हिजाब पहनने को महिला की आजादी से जोड़ने के मुद्दे पर सवाल करती दिखाई दे रही है। राहुल गांधी के इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने लिखा, चरम स्तर की पाखंडी सोच! जब राहुल गांधी मनुस्मृति और हिंदू महिलाओं की बात करते हैं, तो वो पितृसत्ता को कुचलने की बात करते हैं. लेकिन जब बात हिजाब और अबाया की आती है, तो वही सिद्धांत अचानक पसंद की स्वतंत्रता कैसे बन जाता है? तो राहुल गांधी, क्या आपकी ये लड़ाई सिर्फ धर्म देखकर तय होती है? अगर महिला सशक्तिकरण ही लक्ष्य है, तो क्या हर महिला के लिए एक जैसा पैमाना नहीं होना चाहिए?

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

अनुकंपा नियुक्ति में शादीशुदा बेटी को भी नौकरी का अधिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े अहम मामले में फैसला सुनाते हुए कहा है कि केवल शादीशुदा होने के आधार पर बेटी को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के फैसले को निरस्त करते हुए दो शादीशुदा बेटियों को अनुकंपा नियुक्ति देने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने बैंक को दोनों अपीलकर्ताओं की शैक्षणिक योग्यता और लागू नियमों के अनुसार 90 दिन के भीतर अनुकंपा नियुक्ति देने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वैवाहिक स्थिति को नियुक्ति में अयोग्यता का आधार नहीं बनाया जा सकता।

मामला छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के 2 कर्मचारियों मदन कुमार पांडा और शैलेन्द्र कुमार जॉन्सन से जुड़ा है। दोनों की ▶▶|शेष पेज 6 पर

यह समानता के अधिकार के खिलाफ

डिवीजन बेंच ने कहा कि बैंक ने सिर्फ बेटियों के विवाहित होने को आधार बनाकर उन्हें नौकरी से बाहर किया, जबकि इसी योजना के तहत विवाहित बेटों को नियुक्ति का लाभ दिया गया। यह समानता के अधिकार के खिलाफ है। कोर्ट ने यह भी माना कि शादी होने मात्र से किसी बेटी की अपने माता-पिता पर आर्थिक या सामाजिक निर्भरता खत्म नहीं मानी जा सकती। निर्भरता का वास्तविक आकलन किया जाना जरूरी है। कोर्ट ने बैंक के रिजेक्शन आदेशों के साथ सिंगल बेंच का फैसला रद्द कर दिया। बैंक को निर्देश दिया गया है कि दोनों अपीलकर्ताओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता और लागू योजना के अनुसार, वैवाहिक स्थिति को अयोग्यता का आधार बनाए बिना, आदेश की प्रमाणित प्रति मिलने के 90 दिन के भीतर उपयुक्त पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी जाए। दोनों रिट अपीलें मंजूर कर ली गई हैं।

नौ साल में 17वीं बार जेल से बाहर आया राम रहीम

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को 21 दिन की फरलो

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

दुष्कर्म के मामले में दोषी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह मंगलवार सुबह 21 दिन की फरलो पर रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर आया। अगस्त 2017 में दोषी ठहराए जाने के बाद यह 17वीं बार है, जब वह जेल से बाहर आया है। राम रहीम अपनी दो शिष्याओं से दुष्कर्म के मामले में 20 साल की जेल की सजा काट रहा है और हरियाणा के रोहतक स्थित सुनारिया जेल में बंद है। सूत्रों के अनुसार, फरलो की अवधि के दौरान वह सिरसा स्थित अपने डेरा मुख्यालय में रहेगा। दोषी ठहराए जाने के बाद से उसे असामान्य रूप से कई बार फरलो और पैरोल मिल चुकी है। इस साल ही वह तीसरी बार जेल से बाहर आया है।

एसजीपीसी ने निंदा की

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) जैसे सिख संगठनों ने राम रहीम को बार-बार मिल रही इस राहत की आलोचना की है। मार्च में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने 2002 में एक पत्रकार की हत्या के मामले में राम रहीम को बरी कर दिया था।

कार में मिला 2.50 करोड़ का मादक पदार्थ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतलाम

मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में एक कार से करीब 2.50 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) बरामद किया गया, लेकिन इस वाहन में सवार तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। अधिकारी ने बताया कि कार से बरामद नशीले पदार्थ की कीमत लगभग 2.50 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। मानव निर्मित रसायनों से बने नशीले पदार्थ मेफेड्रोन को 'एमडी' और 'म्याऊं-म्याऊं' के नाम से भी जाना जाता है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस दल ने सोमवार रात कालूखेड़ा थाना क्षेत्र में एक कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक इस वाहन को तेजी से भगाने लगा।

■ पुलिस को चकमा देकर तस्कर फरार

जाति जनगणना में ओबीसी का कॉलम क्यों नहीं?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस ने मोदी सरकार द्वारा अधिसूचित जनगणना के मौजूदा प्रारूप पर गंभीर आपत्ति जताते हुए इसे खारिज कर दिया है। सरकार से पूछा कि जाति जनगणना में ओबीसी का कॉलम क्यो नहीं? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त पत्र भेजा है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ राहुल-खड़गे ने पीएम मोदी से पूछे सवाल

देश में करीब 4200 जातियां: जयराम रमेश यह भी बताया कि देश में लगभग 4,200 जातियां हैं, केंद्र व राज्यों सरकारों के पास पहले से ही इनकी सूचियां उपलब्ध हैं। इसलिए यह कहना गलत है कि ऐसी प्रमाणित सूची तैयार करना या उपलब्ध कराना संभव नहीं है।

'ड्रॉप-डाउन' सूची का सुझाव

कांग्रेस नेताओं ने जातियों की पहले से तैयार 'ड्रॉप-डाउन' सूची का सुझाव दिया है, जिसके तहत जनगणना के फॉर्म या डिजिटल ऐप में जातियों के आधिकारिक नाम पहले से उपलब्ध हों और गणनाकर्ता संबंधित व्यक्ति द्वारा बताए गए विवरण के आधार पर सूची में से उपयुक्त जाति का चयन कर सके।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को फिर चेताया

ट्रंप का दावा, होर्मुज से हटा दी गई बारूदी सुरंगें

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को दावा किया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मौजूद सभी बारूदी सुरंगों को हटा दिया गया है या उन्हें विस्फोट कर नष्ट कर दिया गया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी अमेरिकी नौसेना से मिली है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर किसी जहाज या नाव ने होर्मुज में नई बारूदी सुरंगें बिछाने की कोशिश की तो उसे तुरंत और व्यवस्थित तरीके से नष्ट कर दिया जाएगा। ट्रंप ने यह दावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में किया। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका की 'जीरो टॉलरेंस' नीति लागू है।

ईरान को ट्रंप की सीधी चेतावनी

ट्रंप ने कहा कि ईरान को पहले ही सूचित कर दिया गया है कि नई बारूदी सुरंगें बिछाने वाले किसी भी जहाज या नाव को अमेरिकी सेना तत्काल निशाना बनाएगी। उन्होंने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के हर हिस्से पर अमेरिका की नजर है और समुद्री मार्ग में किसी भी तरह की नई माइन बिछाने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद अहम समुद्री मार्ग है।

चिंतन

अनियोजित विकास बना महानगरों की चुनौती

बड़े शहर देश में विकास के इंजन माने जाते हैं, लेकिन यही महानगर और बड़े शहर आज अनियोजित विकास का खामियाजा भुगत रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर से लेकर मुंबई, चेन्नई, रायपुर, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर से असम तक बारिश ने शहरी व्यवस्था की कमजोरियां उजागर कर दी हैं। कुछ घंटों की बारिश में सड़कें तालाब बन जाती हैं, यातायात ठप हो जाता है, घरों और बाजारों में पानी घुस जाता है। कहीं स्कूल बंद करने पड़ते हैं तो कहीं कंपनियां कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सलाह देती हैं। सवाल यह है कि हर साल बारिश से पहले तैयारी के दावे होने के बावजूद हालात सुधर क्यों नहीं रहे? असल समस्या बारिश नहीं, बल्कि बिना भविष्य की जरूरतों का आकलन किए किया गया विकास है। शहरों का विस्तार तेजी से हुआ, लेकिन उसके अनुरूप सीवरेज, ड्रेनेज, जल निकासी, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार नहीं हो पाया। कंक्रीट का जंगल बढ़ता गया और जमीन की पानी सोखने की क्षमता घटती गई। प्राकृतिक नाले, तालाब और जलाशय या तो अतिक्रमण की भेंट चढ़ गए या निर्माण के बीच दब गए। नतीजा यह है कि कच्ची जमीन नहीं मिलने से बारिश का पानी अपने स्वाभाविक रास्ते तलाशने के बजाय सड़कों पर जमा होने लगा है। महानगरों की दूसरी बड़ी चुनौती यातायात और प्रदूषण है। सीमित सड़कें, बढ़ती आबादी और निजी वाहनों की संख्या ने जाम को रोजमर्रा की समस्या बना दिया है। बारिश के दौरान जलभराव के कारण स्थिति और विकराल हो जाती है। दुर्भाग्य यह है कि शहरी विकास अक्सर दीर्घकालिक योजना के बजाय तात्कालिक राजनीतिक और प्रशासनिक जरूरतों से संचालित होता है। नई सड़क बना देना या किसी क्षेत्र में निर्माण की अनुमति दे देना आसान है, लेकिन उसके साथ जल निकासी, पार्किंग, सीवरेज, सार्वजनिक परिवहन और पर्यावरणीय संतुलन की व्यवस्था करना कठिन और महंगा है। इसी कठिन काम से बचने का परिणाम आज जनता भुगत रही है। अब शहरों को केवल 'स्मार्ट' बनाने की घोषणाओं से आगे बढ़कर सस्टेनेबल और रेजिलिएंट बनाने की जरूरत है। प्रत्येक शहर के लिए वैज्ञानिक मास्टर प्लान तैयार हो और उसका पालन राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर सुनिश्चित किया जाए। कम से कम अगले 50 वर्षों की आबादी, जल जरूरत, यातायात, जल निकासी और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखकर योजना तैयार की जाए। जल निकायों और प्राकृतिक नालों को अतिक्रमण से मुक्त कराना भी प्राथमिकता होनी चाहिए। शहरों में अधिक से अधिक खुले और हरित क्षेत्र बनाए जाएं, ताकि बारिश का पानी जमीन में जा सके। पुराने ड्रेनेज सिस्टम की क्षमता बढ़ाने के साथ उसकी नियमित सफाई और निगरानी हो। केवल बारिश आने से पहले नालों की औपचारिक सफाई पर्याप्त नहीं है। महानगरों की मौजूदा स्थिति चेतावनी है कि विकास की रफ्तार से ज्यादा जरूरी उसकी दिशा है। यदि शहरों का विस्तार इसी तरह बिना दूरदर्शिता के होता रहा तो आने वाले वर्षों में जलभराव, जाम, प्रदूषण, पानी की कमी और कचरा प्रबंधन जैसी समस्याएं और गंभीर होंगी। सरकारों को अब घटनाओं के बाद राहत देने की बजाय घटनाओं को रोकने की नीति अपनानी होगी। शहर केवल इमारतों, फ्लाईओवर और चौड़ी सड़कों से नहीं बनते; वे पानी, हवा, हरियाली, परिवहन और नागरिक सुविधाओं के संतुलन से बनते हैं। भविष्य के शहरों की नींव आज रखनी होगी, वरना विकास ही महानगरों के लिए सबसे बड़ी समस्या बन जाएगा।

शिक्षा पर अब फोकस करना ही होगा

विचार
डॉ. संजय शुक्ला

देश में बीते कुछ महीनों के दौरान "शिक्षा" और "परीक्षा" को लेकर यकबयक आंदोलनों की बाढ़ आ गई है जिसे राजनीतिक दलों द्वारा भी खूब हवा दिया जा रहा है। परीक्षा पेपर लीक और सरकारी स्कूलों की दुर्दशा और सुविधाओं को लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में 'जेन - जी' यानि 1997 से लेकर 2012 के बीच जन्मी पीढ़ी और 'जेन-अल्फा' यानि 2010 से 2024 के बीच जन्मे बच्चों के आंदोलनों की खबरें सामने आई है। इधर सरकार से लेकर विपक्ष भी इन दिनों छात्रों के शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था पर काफी फिक्रमंद दिखाई दे रहा है। सत्ताधारी दल 'बीजेपी' और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 'आरएसएस' जहां शिक्षा और परीक्षा पर जेन- जी और जेन-अल्फा से संवाद के लिए आतुर है तो प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के नेता राहुल गांधी विभिन्न शहरों में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के जरिए छात्रों विशेषकर छात्राओं से सीधा संवाद कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष इस अभियान के अंतर्गत युवाओं और युवतियों से शिक्षा प्रणाली, प्रतियोगी परीक्षाओं में होने वाली धांधली, करियर, सुरक्षा और समानता को लेकर संवाद कर रहे हैं। बिलाशक सरकार और विपक्ष के छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों अचानक अति गंभीर होने की पीछे मुख्य मंशा 'जेन-जी वोट बैंक' को साधने की है जो आगामी चुनावों में निर्णायक होने वाला है।

गौरतलब है कि डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बनी कॉकरोच जनता पार्टी 'सीजेपी' के 'स्कूल ठीक करो' अभियान ने सरकारी स्कूलों पर एक बड़े बहस को जन्म दे दिया है। इस मुहिम के तहत 'सीजेपी' के लोग सरकारी स्कूलों में जाकर वहां के बदहाली की खबर को सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं। पिछले दिनों राजस्थान के बगरू विधानसभा के रामपुरा - कंवरपुरा गांव के सरकारी स्कूल के जायजा लेने पहुंचे 'सीजेपी' के राष्ट्रीय प्रवक्ता और कार्यकर्ताओं के साथ वहां के ग्रामीणों द्वारा मारपीट करने और उनके गाड़ियों के शीशे तोड़ने के आरोप लगे हैं। सीजेपी का आरोप है कि गांव का सरकारी स्कूल काफी जर्जर है और तबेले पर बच्चों की स्कूल चलाई जा रही है। बिलाशक जुलाई में दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'सीजेपी' के अगुवाई में हुए प्रदर्शन जिसे 'जेन- जी प्रोटेस्ट' नाम दिया गया के पीछे राजनीतिक निहितार्थ था लेकिन 'जेन अल्फा' की मांग राजनीतिक नहीं है बल्कि यह स्कूलों से जुड़ी बुनियादी जरूरतों के लिए है।

अलबत्ता सीजेपी का 'स्कूल ठीक करो' अभियान विवादों में घिरता नजर आ रहा है।आलोचकों का मानना है कि सीजेपी का यह आंदोलन राजनीति प्रेरित है और यह सिर्फ भाजपा शासित राज्यों में ही केंद्रीत है जबकि देश के सभी राज्यों के सरकारी स्कूल बदहाली के दौर में है। देश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था कभी भी सरकारों के प्राथमिकता में नहीं रही लिहाजा आज किसी भी सरकार से रातों-रात स्कूलों की तस्वीर बदलने की जिद बेमानी है। आखिरकार सरकारों के पास कोई जादुई छड़ी थोड़ी है जो आठ दशकों की बदहाली को महज कुछ महीनों या सालों में बदल दें। लिहाजा स्कूलों को आंदोलन का अखाड़ा न बनाकर इसके सुधार की दिशा में दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाने की जरूरत है।

गौरतलब है भारत की शिक्षा व्यवस्था अमीरी-गरीबी और शहरी - ग्रामीण के बीच बंटी हुई है। शिक्षा में यह असमानता बुनियादी आवश्यकताओं से लेकर पाठ्यक्रम यानि सिलेबस और संसाधनों की उपलब्धता में भी है। शिक्षा में यह विषमता बुनियादी शिक्षा से ही शुरू हो जाती है जो उच्च शिक्षा तक जारी रहती है। भारत के स्कूलों पर गौर करें तो एक तरफ आधुनिकतम सूचना तकनीक संसाधनों और सुविधाओं से लैस पांच सितारा निजी स्कूल हैं वहीं दूसरी ओर गरीब भारत की जीर्णशीर्ण , गंदगी युक्त और बुनियादी जरूरतों के तरसते 19 वीं सदी के सरकारी स्कूल हैं। आलम यह है कि अधिकांश सरकारी स्कूलों में पहुंच मार्ग, बेंच , बिजली, पंखा, साफ पेयजल, शौचालय और अन्य संसाधनों का भारी आभाव है। समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिनके बच्चे अशिक्षा,गरीबी, लैंगिक भेदभाव व रूढ़िवादी परंपरा के चलते स्कूलों का मुँह नहीं देख पा रहे हैं या उन्हें बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसा नहीं है कि देश की सरकारों ने सरकारी स्कूलों और स्कूली शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए कोई जतन नहीं किया है।बीते दशकों में सरकारों ने अनेक नीतियां, योजनाएं, समितियां और आयोग बनाईं हैं जिनके रिपोर्ट भी आए और नीतियां भी लागू हुई लेकिन नतीजा सिफर रहा। प्राथमिक शिक्षा के बदहाली का असर यह हो रहा है कि हमारी उच्च शिक्षा भी बेहतर परिणाम नहीं दे पा रही है।

देश में 'सर्व शिक्षा अभियान' के नारे की वास्तविकता संसद के बीते सत्र में पेश शिक्षा मंत्रालय के उस रिपोर्ट से लगाया जा सकता है जिसके मुताबिक पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में कुल 17, 141 स्कूल बंद हुए हैं यानी हर दिन नौ से ज्यादा। सरकार ने देश में 22 जनवरी 2015 को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ' नारा अमल में लाया। इस सरकारी नारे की हकीकत यह कि हर दो बालिका में से केवल एक ही बालिका उच्चतर माध्यमिक यानि कक्षा 9 से 12 में दाखिला ले रही है। इधर स्कूलों में ड्रॉप - आउट रेट भी बढ़ा है। आंकड़ों के मुताबिक 2021-22 में जहां स्कूली विद्यार्थियों की संख्या 25.57 करोड़ थी वहीं 2025- 26 में यह यह संख्या 24.72 करोड़ हो गई यानी हर साल 17 लाख बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया। समाज के कमजोर तबके के एससी और एसटी विद्यार्थियों के कक्षा 9-12 में दाखिला लक्ष्य प्रतिशत से कम रहा जो सामाजिक न्याय के दृष्टिगत चिंतनीय मसला है।

बिलाशक स्कूली बच्चों के ड्रॉप- आउट जैसे समस्या के लिए सामाजिक और आर्थिक स्थितियां जिम्मेदार है। लैंगिक समानता के तमाम कानूनों और नारों के बावजूद आज भी कुछ समाजों में महिलाओं के आत्मनिर्भरता के प्रति दकियानूसी सोच विद्यमान है जिसके चलते बालिकाओं की शिक्षा बाधित हो रही है। दूसरी ओर कमजोर आर्थिक हालात और गरीबी की वजह से कुछ बच्चों को कांधे पर स्कूली बस्तों के बोझ की जगह आजीविका का बोझ उठाना पड़ रहा है। स्कूली शिक्षा के केन्द्र में शिक्षक होता है लेकिन संसद के संसदीय समिति की रिपोर्ट पर गौर करें तो देश के सरकारी स्कूलों में 10 लाख शिक्षकों के पद रिक्त हैं। स्कूलों जो शिक्षक हैं भी तो वे शिक्षण कार्य से इतर चुनाव संबंधी कार्यो, विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों और सरकारी योजनाओं के काम से घर-घर दस्तक देते देखे जा सकते हैं। इन परिस्थितियों में सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

बहरहाल देश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराना हर सरकार की संवैधानिक जवाबदेही है लेकिन एक बड़ी आबादी आज भी इससे दूर है। बिलाशक इसके लिए सरकार और समाज दोनों जवाबदेह हैं। राजनीति समाज का ही हिस्सा है लेकिन ऐनकेन प्रकारेण सत्ता हासिल करने के हनक के चलते मुफ्त चुनावी रेवड़ियां बांटने वाले राजनीतिक दलों के लिए शिक्षा कभी भी राजनीतिक या चुनावी मुद्दा नहीं रहा। सरकारी शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की दिशा में सबसे बड़ा रोड़ा सरकारों की इस क्षेत्र में कम धन आबंटन भी है। पिछले 12 वर्षों के दौरान कुल बजट में शिक्षा मंत्रालय का हिस्सा 4.6 फीसदी से घटकर 2.5 रह गया। अलबत्ता शिक्षा में कम बजट आबंटन का ठीकरा सिर्फ केंद्र सरकार पर ही फोड़ना उचित नहीं है बल्कि राज्य सरकारों ने भी इस दिशा में लगातार यही रवैया अपनाया है जबकि शिक्षा व्यवस्था राज्य का भी विषय है।

देश के तमाम शिक्षाविदों और शिक्षा में सुधार के लिए गठित विभिन्न समितियों और आयोगों ने देश की आबादी और सरकारी शिक्षा के वर्तमान स्तर के मद्देनजर शिक्षा क्षेत्र के लिए कुल बजट का छह फीसदी आबंटन का सुझाव दशकों से दिया जा रहा है बावजूद नतीजा सिफर है। बहरहाल शिक्षा ही किसी राष्ट्र और व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का बुनियाद होता है लिहाजा अब सरकारों को सरकारी शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में ईमानदार प्रयास करना होगा। भारत जैसे विकासशील देश में अब शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव की जरूरत है जिसमें शिक्षकों की जवाबदेही के साथ ही स्कूलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा। सरकारों को अब तमाम पूर्वाग्रह को त्यागकर भविष्य के संभावनाओं के लिहाज से पाठ्यक्रम तैयार करना होगा और। सरकारी स्कूलों में अब डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ ही शिक्षकों के नियमित प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

नवाचार

बलकार सिंह पूनियां

सारथी से स्वामी : भारत टैक्सी की सहकारी क्रांति

भारत के तेजी से बदलते शहरी परिदृश्य में परिवहन अब केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का साधन नहीं रह गया है। यह रोजगार, आजीविका, आर्थिक अवसर, सामाजिक समावेशन और जीवन की गुणवत्ता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र बन चुका है। उपलब्ध सामग्री के अनुसार, भारत टैक्सी की स्थापना 6 जून 2025 को बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आठ राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्थाओं के सहयोग से हुई। भारत टैक्सी की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इसका सहकारी स्वामित्व मॉडल है। सामान्य प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में ड्राइवर प्रायः सेवा देने वाला व्यक्ति होता है, जबकि प्लेटफॉर्म का स्वामित्व और निर्णय लेने की शक्ति अलग संस्था के पास रहती है। भारत टैक्सी इस संबंध को बदलने का प्रयास करती है। यहां ड्राइवर को केवल चालक नहीं, बल्कि 'सारथी' और सदस्य-मालिक के रूप में देखने की अवधारणा सामने आती है। जो व्यक्ति अपने श्रम, समय और सेवा से प्लेटफॉर्म का मूल्य तैयार करता है, उसे उसके स्वामित्व और निर्णय-प्रक्रिया में भागीदारी मिलनी चाहिए-यही इस मॉडल की मूल भावना है। शेयर पूंजी के माध्यम से सारथियों को सदस्य बनने और शासन में भाग लेने का अवसर तथा निदेशक मंडल में उनका प्रतिनिधित्व इस व्यवस्था को सहभागी स्वरूप प्रदान करता है। यही वह बिंदु है, जहां भारत टैक्सी केवल परिवहन सेवा नहीं रह जाती, बल्कि आर्थिक लोकतंत्र के प्रयोगके रूप में दिखाई देती है। 'सारथी ही स्वामी' की सोच श्रम को केवल आय अर्जित करने का माध्यम न मानकर उसे स्वामित्व से जोड़ती है। यदि प्लेटफॉर्म की सफलता में चालक की भूमिका केंद्रीय है तो उसके आर्थिक लाभ और निर्णय प्रक्रिया में उसकी हिस्सेदारी भी महत्वपूर्ण होनी चाहिए। सहकारिता का यही दर्शन भारत टैक्सी को पारंपरिक डिजिटल प्लेटफॉर्म मॉडल से अलग पहचान देता है। इस मॉडल का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष शून्य-कमीशन और सर्ज-फ्री किराया है। भारत टैक्सी पारदर्शी किराया व्यवस्था पर जोर देती है और मांग बढ़ने के समय अचानक किराया बढ़ाने की व्यवस्था से अलग मॉडल प्रस्तुत करती है। इसका उद्देश्य यात्रियों के लिए किराये में पारदर्शिता और सारथियों के लिए आर्थिक भागीदारी को मजबूत करना है। यदि तकनीकी प्लेटफॉर्म से पैदा होने वाले आर्थिक मूल्य का बड़ा हिस्सा सेवा प्रदाताओं तक पहुंचता है, तो यह डिजिटल अर्थव्यवस्था में अधिक न्यायसंगत भागीदारी की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयोग बन सकता है। भारत टैक्सी का महत्व केवल ड्राइवरों की आर्थिक स्थिति तक सीमित नहीं है। यहसमावेशी शहरी गतिशीलता की दिशा में भी संभावनाएं पैदा करता है। बाइक टैक्सी, ऑटो रिक्शा, इकोनॉमी कैब, प्रीमियम सेडान, एक्सएल कैब, किराया, आउट-स्टेशन और अनुसूचित सवारी जैसी सेवाएं अलग-अलग वर्गों और यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करती हैं। पारदर्शी किराया व्यवस्था यात्रियों को यात्रा से पहले संभावित खर्च समझने में सहायता करती है। 'सारथी दीदी' के माध्यम से महिला यात्रियों को महिला ड्राइवर चुनने का विकल्प तथा 'बाइक दीदी' के माध्यम से महिलाओं की परिवहन क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया गया है। उपलब्ध सामग्री के अनुसार, फरवरी 2026 तक 150 से अधिक महिला ड्राइवर इस पहल से जुड़ चुकी थीं। यह केवल सुरक्षित यात्रा का प्रश्न नहीं है; यह महिलाओं को आर्थिक अवसर और आजीविका से जोड़ने का प्रयास भी है। किसी भी डिजिटल परिवहन सेवा की सफलता के लिए सुरक्षा और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक हैं। वास्तव में, विकसित भारत 2047 का निर्माण केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी अर्थव्यवस्था की आवश्यकता होगी, जिसमें तकनीक अवसर पैदा करे, श्रमिक स्वामित्व और सम्मान प्राप्त करें, महिलाएं आर्थिक गतिविधियों में अधिक भागीदारी करें और सामाजिक सुरक्षा विकास का अभिन्न हिस्सा बने। भारत टैक्सी इसी व्यापक सोच में 'सहकार से समृद्धि' को शहरी परिवहन के क्षेत्र में व्यवहार में उतारने का एक महत्वपूर्ण प्रयोग बन सकती है। अंततः, भारत टैक्सी को केवल एक नई कैब सेवा के रूप में देखना इसके व्यापक महत्व को सीमित करना होगा। यह तकनीक, सहकारिता, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकासको एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है। यदि 'सारथी से स्वामी' की अवधारणा व्यवहार में मजबूत होती है और सहकारी स्वामित्व तथा डिजिटल नवाचार के बीच संतुलन कायम रहता है, तो भारत टैक्सी प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था के लिए एक अधिक सहभागी और जन-केंद्रित विकल्प प्रस्तुत कर सकती है।

(लेखक इग्नू, नई दिल्ली में सहायक प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गलतफहमी मनुष्य की बुद्धि पर डाल देती है पर्दा

संकलित
दर्शन

विद्वानों के मतानुसार गलतफहमी मनुष्य की बुद्धि पर पर्दा डाल देती है, उसकी आंखों पर पट्टी बांध देती है और उसकी वृत्ति को ही बदल देती है। वो मनुष्य के नैतिक मूल्यों को एक मिनट में वैसे ही जला देती है जैसे कि आग की चिंगारी सूखी घास को दो मिनट में भस्मीभूत कर देती है। किसी ने सही कहा है कि 'गलतफहमी का एक पल इतना जहरीला होता है, जो प्यार भरे सौ लम्हों को भी वह एक क्षण में भुला देता है।' आज समस्त विश्व में जो झगड़े, अनबन, मन मुटाव, तनाव, संबंधों में कटुता तथा स्नेह और सहयोग में अभाव दिखाई देता है, उसका एक कारण व्यक्तियों, संगठनों, संप्रदायों, दलों या देशों में परस्पर गलतफहमी ही तो है। गलतफहमी से जब पारस्परिक संबंध बिगड़ जाते हैं तो बात फिर बिगड़ती ही चली जाती हैऔर इसीलिए ही अगर समझदारी पूर्वक गलतफहमी को दूर न किया जाए, तो यह उस अमर बेल की तरह है जो वृक्ष पर बढ़ती ही चली जाती है और वृक्ष की सारी शक्ति को हड़प लेती है। यह वो बला है जो न केवल मनुष्य की मानसिक शक्ति, शांति और खुशी को हड़प लेती है अपितु वह उसे इस कद्र थका देती है कि उसे अपने किसी कार्य से इतनी थकावट नहीं होती जितनी कि परस्पर गलतफहमी से होने वाले परिणामों के कारण बने हुए वातावरण से होती है। अतः गलतफहमी को दूर करना बहुत जरूरी है, क्योंकि इसके बने रहने से कई लोगों में बीमारियां पैदा हो जाती हैं और उनके लिए जीना भी कठिन हो जाता है।

अच्छे काम से परिणाम की अपेक्षा ही दुख का स्रोत

संकलित
प्रेरणा

जब आपके हाथों कोई अच्छा काम हो जाए, तो खुद को याद दिलाएं कि यह परमात्मा ही है, जिसने आपको ऐसी परिस्थिति में रखा, जहां आपको अच्छा काम करने का अवसर मिला। कहा गया है 'दाता को आभारी होना चाहिए' जब कोई कुछ देता है और उसे स्वीकार कर लिया जाता है, तो देने वाले को आभारी होना चाहिए। अच्छे काम से परिणाम की अपेक्षा ही दुख का स्रोत है। विचार यह होना चाहिए कि मुझे दाता की भूमिका दी गई है, यह अपने आप में एक महान आशीर्वाद है। बुरे कामों का पछतावा तो स्वाभाविक है, लेकिन कई बार आपके अच्छे कर्म भी आपको दुखी कर सकते हैं। अच्छे कर्म स्वतः ही आपका उद्धार नहीं कर देते। आपकी नीयत, लगाव, अपेक्षाएं, अहंकार और कर्म करते समय आपके मन की स्थिति ही यह तय करती है कि वह कर्म आपके लिए सुख लाएगा या दुख। जब आप दान-पुण्य करते हैं, तब कई बार आपको लग सकता है कि आपके अच्छे कामों पर किसी का ध्यान ही नहीं गया। मैंने इतने बेहतरीन काम किए, लेकिन किसी ने उनकी सराहना नहीं की। उनके लिए कोई प्रशंसा नहीं मिली। यह एक आम शिकायत है। अपने अच्छे कामों के लिए पहचान और सराहना पाने की यही चाहत अकसर दुख का कारण बनती है। अच्छे काम से परिणाम की अपेक्षा ही दुख का स्रोत- नारद भक्ति सूत्र में देवर्षि नारद न केवल कर्मों की भागदौड़ से, बल्कि उन कर्मों के फल की अपेक्षा से भी विराम लेने की सलाह देते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

देवस्थलों को पर्यटन के रूप में विकसित न करे

सरकार हमारे देवस्थलों को पर्यटन के नाम पर विकसित करने के बजाय, केवल पर्यटन स्थलों को इस तर्ज पर विकसित करे। देवस्थलों व लोगों की आस्था से जुड़ी इन जगहों से छेड़छाड़ नहीं की जाए। ये स्थान लोगों की आस्था के प्रतीक हैं, जो लाखों सालों से हम सबकी रक्षा करते आए हैं। हमारे देवस्थान कोई पर्यटक स्थल नहीं हैं, बल्कि लोग यहां अपने व अपने स्वजनों की कुशलता के लिए और अपनी मनोकामनाएं पूरी करने के लिए प्रार्थना करने के लिए आते हैं। यहां पहुंचने के लिए हमें सड़के नहीं चाहिए, होमस्टे नहीं चाहिए, होटल नहीं चाहिए, रोपवे नहीं चाहिए, पर्यटक नहीं चाहिए, बल्कि शांति चाहिए, श्रद्धालु चाहिए, आस्था चाहिए और देवी-देवताओं की कृपा चाहिए।

- विकास कुमार यादव, रायपुर

ट्रेंड

सच्ची खुशी

सच्ची खुशी करुणा, आत्म-सम्मान और संतोष से मिलती है। इसी भावना से समाज में सहयोग और सद्भाव का बंधन और भी मजबूत होता है। करुणा से आत्म-सम्मान मिलता है और संतोष से इच्छाशक्ति जागती है।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

यूपीआई के दस साल

यूपीआई के दस साल बड़े बदलाव का दशक रहे हैं। डिजिटल पेमेंट की सफलता की कहानी बनने तक, यूपीआई ने हर भारतीय के लिए लेन-देन को तेज़, आसान, सुरक्षित और सुलभ बना दिया है। यह डिजिटल इंडिया की ताकत है सशक्तिकरण, समावेश और जीवन को आसान बनाने के लिए तकनीक।

- **राजनाथ सिंह,** रक्षामंत्री

साफ़ पानी की सप्लाई

केंद्र सरकार की मदद से, दिल्ली सरकार दिल्ली के हर घर में बिना रुकावट और साफ़पानी की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार नए प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। दिल्ली जल बोर्ड को एडीबी से 2,500 करोड़ की फंडिंग मिल रही है।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

परीक्षा प्रणाली

राहुल गांधी और हेमंत सोरेन के बीच बातचीत के बाद, सरकार ने 17 अगस्त को घोषणा की थी कि परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए एक समिति बनाई जाएगी। आज 8 दिन बीत चुके हैं, लेकिन उस समिति के लिए नोटिफिकेशन का कोई अता-पता नहीं है!

- **बाबूलाल मरांडी,** पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

अमेरिका पहले रवैया सुधारे मुनीर को ईरान की दो-टूक

ईरान ने मध्यस्थ पाकिस्तान के सामने अमेरिका के रवैये पर सवाल उठाए हैं। तेहरान में पाकिस्तान आर्मी चीफ असीम मुनीर से मुलाकात में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा है कि अमेरिका का तरीका चीजों को सुलझाने का नहीं है। अगर अमेरिका चाहता है कि युद्ध खत्म हो और चीजें बेहतरी की तरफ जाएं तो उसे ईरान के प्रति अपना नजरिया बदलना होगा। मसूद ने मुनीर से साफ कहा कि अमेरिका की दादागिरी से ईरान झुकने वाला नहीं है। दूसरी ओर अमेरिकी रक्षा मंत्री ने नए आर्थिक प्रतिबंधों के साथ-साथ ईरान पर सैन्य हमले का विकल्प खुला होने की बात कही है। पेजेश्कियान ने सोमवार को तेहरान में मुनीर के साथ बैठक के दौरान ये बातें कहीं हैं। मुनीर ऐसे समय में ईरानी अधिकारियों से बातचीत के लिए ईरान पहुंचे हैं, जब अमेरिका के नए आर्थिक प्रतिबंधों के चलते इलाके में तनाव बढ़ा हुआ है। अमेरिका आर्थिक हमलों से ईरान को झुकाने की बात कह रहा है। वहीं ईरान का कहना है कि वह अपनी शर्तों से पीछे हटने वाला नहीं है। अमेरिका को ईरान के साथ बातचीत में अपना लहजा और नजरिया सुधारना होगा। मसूद पेजेश्कियान ने कहा कि अमेरिका की ओर से ईरान को झुकाने की कोशिश हो रही है और धमकियां दी जा रही हैं।

ऑफ बीट

जम्मू कश्मीर की एक और पवित्र यात्रा मचैल माता मंदिर की

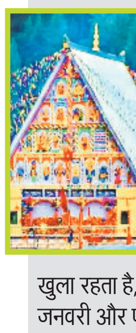

जम्मू-कश्मीर में इस समय पवित्र अमरनाथ यात्रा चल रही है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि यहां की एक और यात्रा भी बेहद लोकप्रिय मानी जाती है, जिसका नाम है मचैल माता यात्रा। कहते हैं 32 किलोमीटर की ये पैदल यात्रा भक्तों को ऐसा दिव्य अनुभव कराती है, जिसे श्रद्धालु जीवन भर नहीं भूल पाते। मान्यता है जो कोई भी मचैल माता के दर्शन करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। मचैल माता का मंदिर जम्मू के किश्तवाड़ जिले में स्थित है। ये मंदिर देवी दुर्गा को समर्पित है। इस मंदिर का नाम मचैल गांव से ही पड़ा है, इसी कारण से लोग इसे मचैल माता मंदिर कहकर पुकारते हैं। ये मंदिर गर्मियों में खुला रहता है, लेकिन अत्यधिक बर्फबारी के समय विशेष रूप से दिसंबर, जनवरी और फरवरी में बंद कर दिया जाता है। सावन महीने में यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है, क्योंकि इस दौरान मचैल माता की छड़ी यात्रा का आयोजन किया जाता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार एक बार एक गड़रिया अपनी भेड़ों को चराने के लिए इस स्थान पर आया था। तभी उसे एक गुफा से तेज प्रकाश आता दिखाई दिया। कहते हैं जब वह अंदर गया तो उसे वहां मां का दिव्य रूप दिखाई दिया। इसके बाद ये बात धीरे-धीरे पूरे गांव में फैल गई।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

GALGOTIAS UNIVERSITY

LAUNCHING

Industry Integrated Degree

BTech CSE

With specialisation in AI & ML

In collaboration with Microsoft | Powered by byteXL

Developing Future-Ready AI Skills with Industry-Integrated Learning

A next-generation BTech program designed to equip students with expertise in Generative AI, Machine Learning, Cloud AI and Intelligent Applications through an industry-aligned curriculum, immersive hands-on learning and Microsoft technologies.

What Does this Program Offer?

Next-Gen AI Technologies | **Microsoft** Certifications | **Career Launch** Support | High-Demand **AI Roles** | Emerging **AI Domains** | Industry **Research**

Industry-Collaborated Research

Deep Learning | Natural Language Processing (NLP) | Reinforcement Learning
Computer Vision Speech | Speech Recognition | Robotics

Microsoft CERTIFIED

Exclusive Microsoft Azure Certifications

Azure Fundamentals (AZ-900) | Azure AI Fundamentals (AI-901) | Azure Data Fundamentals (DP-900) | Azure AI App and Agent Developer (AI-103)
Azure MLOps Engineer (AI-300) | Azure AI Cloud Developer (AI-200) | Azure SQL AI Developer Associate (DP-800)

Placement Assistance from byteXL

For Admissions Scan to Apply

RANKED #16 AMONGST TOP PRIVATE UNIVERSITIES IN INDIA

Ranked 3rd amongst Private Universities in Uttar Pradesh

Ranked 46th amongst Top Private and Government Universities in India

Scan to Explore the World of Galgotias

GLOBALLY RANKED FOR 3 CONSECUTIVE YEARS

Galgotias Admissions Helpline No.: **9810162221, 9717300418, 9582847072** **97173 00343** | **0120-4370000**

NAAC GRADE A+ Accredited University | **Web:** www.galgotiasuniversity.edu.in | **Email:** admission@galgotiasuniversity.edu.in

GALGOTIAS UNIVERSITY #GetYourSelfPlaced

ऐतिहासिक

किशोर कुमार अग्रवाल

छत्तीसगढ़ में राजनीतिक चेतना का आरम्भ

1857 की क्रांति भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटना थी। उत्तर भारत के साथ इस क्रांति में छत्तीसगढ़ का भी योगदान रहा। इस समय रायपुर में ब्रिटिश सेना की तीसरी नेटिव इनफेटरी का मुख्यालय था तथा कुछ सेना बिलासपुर जिले के अरपा नामक स्थान पर थी। सन 1857 में मेरठ सिपाही विद्रोह के समाचार यहां बराबर पहुंच रहे थे, जिससे यहां तैनात भारतीय सिपाहियों में असंतोष इतना अधिक बढ़ गया था कि रायपुर के डिप्टी कमिश्नर ने नागपुर के कमिश्नर से इसे रोकने के लिए अतिरिक्त सेना की मांग की। सूचना मिलते ही कमिश्नर ने तत्काल सेना भेज दिए जिससे यहां उत्पन्न विद्रोह के खतरे का मुकाबला किया जा सके।

वस्तुतः छत्तीसगढ़ उस समय विद्रोह के लिए उपयुक्त स्थान था। यदि विद्रोह की रुपरेखा तैयार की गई होती तो भंडारा तथा चांदा से लेकर ओडिशा एवं तक का क्षेत्र इसकी चपेट में आ सकता था। इस प्रकार की आशंका स्वयं नागपुर के कमिश्नर ने 23 जनवरी 1858 की मेजर जनरल व्हीतलांक को लिखे अपने पत्र में व्यक्त की थी। 13 अक्टूबर 1857 को ही गुरुर सिंह तथा रणमत सिंह के नेतृत्व में विद्रोहियों का एक दल संबलपुर से सोगाहपुर पहुंच गया था। इनका उद्देश्य निश्चित ही संबलपुर के विद्रोह को छत्तीसगढ़ क्षेत्र में फैलाना था। यह भी कहा जा सकता है इस क्षेत्र कि अधिकांश जमींदारों की सहानुभूति इस विद्रोहियों के साथ थी। रायपुर के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर ने तत्काल कार्यवाही कर इन विद्रोहियों को सोहागपुर के निकट जा दबोचा। यद्यपि 17 विद्रोही गिरफ्तार हुए, परन्तु वे ब्रिटिश नियंत्रण से भाग गए।

शिल्पकला

नर्मदा प्रसाद ताम्रकार

बर्तनों पर धमधा की कलाकृति विलुप्त होने के कगार पर

छत्तीसगढ़ का धमधा दुर्ग जिला मुख्यालय से 35किमी दुर्ग बेमेतरा मार्ग पर स्थित है। कभी धमधा गढ़ हुआ करता था। छत्तीसगढ़ ही नहीं वरन समूचे भारत धमधा के कारीगरों द्वारा बनाई गई धातु की मूर्तियां एवं कांसे से बने कलात्मक पात्र प्रसिद्धि पाते थे। कांसे ताम्बे और पीतल के बर्तन एवं मूर्तियां बनाने का काम यहां ताम्रकार परिवार के लोग ही करते थे। ताम्रकारों की संख्या यहां डेढ़ हजार से अधिक है लेकिन अब कारीगरों की संख्या डेढ़ सौ तक सिमट गई है। मूलतः इनके पूर्वज हैहवंशी नरेशो के शासन काल में सिक्कों की ढलाई का काम करते थे। सम्भवतः ताम्र धातु को आकार देने के कार्य से ही ताम्रकार उपनाम इस वर्ग विशेष के साथ जुड़ गया होगा। इनकी कलाकृति की प्रसिद्धि का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अन्य प्रांतों में भी ' धमधा ' नमूना के रूप में बर्तनों की पहचान होने लगी। यहां के कलाकारों को पहचान और पुरस्कार भी मिले, लेकिन कच्चा माल और सम्बंधित वस्तुएं महंगी होने के कारण यह काम लगभग अपना अस्तित्व और पहचान खोता जा रहा है।

लोक साहित्य

डा. राजेश टंडन

प. सुन्दर लाल शर्मा के साहित्य में काव्य कला

छत्तीसगढ़ के साहित्य के इतिहास में 'छत्तीसगढ़ी दानलीला ' का प्रकाशन महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह श्रृंगार रस से ओतप्रोत काव्य है। इसमें नव सीख वर्णन और श्रृंगार वर्णन की छटा बिखरती है। मंगलाचरण के रूप में प्रस्तुत आरंभिक पंक्तियां दृष्टव्य है -

जगदिश्वर के पांव म अपन मुड़ नवाय।
सिरी कृष्ण भगवान के कहीहौ चरित सुनाय।
जे दिन ले नन्दलाल ल ठाड़े देखेव खोर।
काही नई सुहावै गोई किरिया तोर।

छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के अनुरूप कवि ने श्रृंगार वर्णन और नव शिख वर्णन में विभिन्न अलंकार प्रसाधनों से अलंकृत नरियों का वर्णन किया है -

काजर आजे अलगा डारे।
मूड कोरे पाटी मारे।
पांव रचाए बीरा खाए।
तरुआ मे टिकरी चटकाये।
बेनी मे फूंदरी लटकाये।
टीका बेंदी अलखन बाटे।

करधन, गोदना आदि से श्रृंगार करने का प्रचलन छत्तीसगढ़ की खास विशेषता है। सुन्दरलाल शर्मा इन विशिष्टताओं को पाठकों के समक्ष प्रभावोतपादक रूप में प्रस्तुत करते हैं -

करधन कमर पट्टा पहिर रेंगत हाथी।
जेमा ओरमत जात हे हीरा मोती।
चांदी के सुता झमकाये।
गोदना हाथ हाथ गोदवाये।
दुलटी तिलटी कटवा मोहे।
ओ कदमाही सुर्रा सोहे।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें– **Choupalharibhoomi@gmail.com**

सावन में शिवमय हो जाता है हमारा अंचल

धार्मिक

डा. राघवेंद्र राज

प्रकृति की गोद में बसा छत्तीसगढ़ भक्तिमय भाव की पवित्रभूमि रही है। श्रावण मास एक ओर लौकिक संसार वासियों को रिश्तों की अटूट बंधन (राखी) प्रेम की डोर में बांधता है तो दूसरी ओर यही श्रावण मास संसार वासियों को कांवड़ यात्रा के माध्यम से भक्तिमय शिवाश्रयी भी बना देता है। अंचल में कलचुरीकालीन एवं नागवंशीय कालीन शिव मंदिर की बहुतायत भगवान शिव के प्रति आस्था का जीवंत उदाहरण है। भोरमदेव, कवर्धा, राजिम, देव बलौदा, गरियाबंद, धमतरी, जगदलपुर, कांकेर जैसे अनेक स्थानों में आज भी प्राचीन कालीन शिव मंदिर विद्यमान हैं।तब कवियों की हृदयभूमि कह उठती है-

एक वो सावन है जो धरती पर
साल में एक बार बरसता है। एक वो सावन है जो बेमौसम
आंखों से कई बार बरसता है।
यूं तो दुनिया में है बहुत शरमाएदार मगर...
उस प्रेमसावन को पाने हर दिल तरसता है।

छत्तीसगढ़ की उर्वरभूमि में बरसता सावन भक्तों को श्रद्धा और भक्ति की यात्रा के लिए सद्प्रेरित करता है तो वह यात्रा कांवड़ यात्रा ही होती है।कांवड़ अर्थात बांस की ऐसी काठी या डंडा जिसके दोनों सिरों पर

जलपात्र (कलश)बंधे होते हैं।शिव भक्त जब हाथों में धर्मध्वज लिए और कंधों पर कांवड़ रखकर पैदल यात्रा करते हैं तो वह यात्रा भक्ति और कठोर तप की यात्रा होती है। भक्तगण हरिद्वार, गौमुख या गंगोत्री जैसे तीर्थस्थलों से पवित्र गंगा जल लेकर शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं।तो यह यात्रा कांवड़ यात्रा की संज्ञा प्राप्त करती है। जब नंगे पांव चलते शिवभक्त बोल-बम के जयघोष करते हैं तो समग्र वातावरण गुंजायमान हो उठता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार-1. भगवान श्रीराम एवं लक्ष्मण जी ने भी कांवड़ में गंगाजल लाकर शिव जी का जलाभिषेक कर शिवाराधना की थी।2.समुद्र मंथन के समय शिवजी द्वारा हलाहल पान करने के उपरांत उनके शारीरिक तपन को शांत करने के लिए देवताओं ने गंगाजल से उसका अभिषेक किया था।3.लंकाधीश रावण ने कांवड़ से गंगाजल लाकर शिवलिंग पर जलार्पण किया था।4.श्रवण कुमार ने अंधे माता -पिता को कांवड़ में बिठाकर तीर्थयात्रा कराई थी।यह मातृ -पितृ सेवा और तीर्थ यात्रा ही पवित्र कांवड़ यात्रा थी। कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं अपितु भारतीय जनमानस को भूत भावन भोलेनाथ से जोड़ने की सनातनी जीवंत परम्परा है।जो भक्तों को श्रावण मास में त्याग, तपस्या और समर्पण की यात्रा कराता है।वह पवित्र कांवड़ यात्रा ही है।तभी तो भक्तगण गा उठते हैं।-

चलो चलें भक्त कांवड़िया।
भोले बाबा की नगरिया।
देखो -देखो खाली न रह जाए
बावरो दिल की गगरिया।

पर्यटनः

कमलेश यादव

नागलसर में भी अब प्रकृति का आनंद

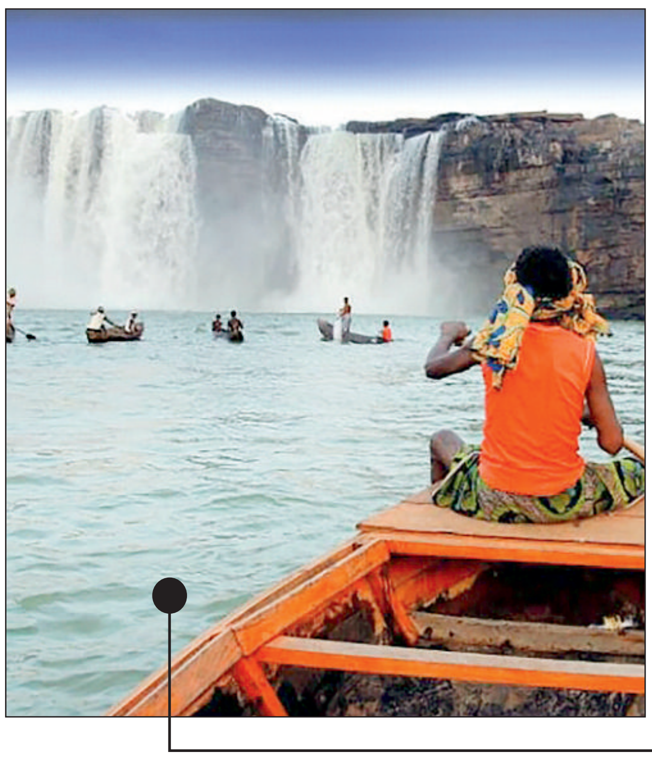

छत्तीसगढ़ का बस्तर अंचल अपनी अनुपम प्राकृतिक धरोहर के लिए देश-दुनिया में विशेष पहचान रखता है। हरे-भरे जंगल, कल-कल बहती नदियां और पहाड़ों की गोद में बसे गांव यहां की खूबसूरती को और भी निखार देते हैं। इसी कड़ी में जगदलपुर क्षेत्र भी प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध रहा है, जहां हर मौसम में प्रकृति अपने अलग-अलग रंग बिखेरती नजर आती है। इसी क्षेत्र में स्थित घुड़मारास, जो जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर है, अपने आप में एक अलग महत्व और आकर्षण समेटे हुए है। इसी स्थल के पास बसा नागलसर अब पर्यटकों के लिए एक नए आकर्षण के रूप में उभर रहा है। यहां बांस से बनी नावों में सैर करने का अनुभव पर्यटकों को रोमांच और सुकून दोनों का एहसास कराता है। इको टुरिज्म की दिशा में इस स्थल का लगातार विकास किया जा रहा है, ताकि पर्यटक प्रकृति के करीब रहकर उसका भरपूर आनंद ले सकें। चारों ओर फैली हरियाली और शांत वातावरण यहां आने वाले हर व्यक्ति के मन को मोह लेता है। खास बात यह है कि नागलसर को विश्व पटल पर पहचान दिलाने की पहल भी शुरू हो चुकी है, जिससे आने वाले समय में यह स्थल पर्यटन के नक्शे पर और भी उभरकर सामने आएगा। सुविधाओं से लैस होने के कारण, खासकर बरसात के मौसम में यहां पर्यटकों की भीड़ में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी जा रही है। निश्चित रूप से नागलसर बस्तर के पर्यटन नक्शे में एक नया और सुनहरा अध्याय जोड़ने की ओर अग्रसर है।

सुरता

आचार्य डा. महेशचंद्र शर्मा

शिक्षा के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहरो को आगे लाने में योगदान दिए -प. गंगाधर जी

कवि कुल गुरु कालिदास के रघुवंश महाकाव्य की शैली में राजगुरु प. गंगाधर जी मिश्र ने 1964 में कोसलानंदममहाकाव्य का प्रणयन किया। इसमें तत्कालीन दक्षिण कोसल को वर्तमान छत्तीसगढ़ के तत्कालीन राजाओं और उनकी दिग्विजयों का सुन्दर वर्णन है। परम पावनी महानदी की गोद में प्रभुपालित, माता कौशिल्या का जन्म स्थल कोसल प्रदेश ही वर्तमान छत्तीसगढ़ है। इस महाकाव्य से यह भी ज्ञात होता है कि इस प्रदेश के मनीषी जन पुराने समय से ही न केवल वन्य संस्कृति और सनातन धर्म के संरक्षक एवं अनुयायी हैं, अपितु उन्होंने सर्वसाहित्य संपन्न संस्कृत भाषा का गहन अध्ययन कर साहित्य संरचना भी की है। 1020 से 1741 तक कलचुरी काल में तो संस्कृत छत्तीसगढ़ की राजभाषा भी थी। यह महाकाव्य ग्रन्थ इस बात का भी प्रमाण है कि चौदहवीं शताब्दी से अठारहवीं शताब्दी के बीच का समय छत्तीसगढ़ में संस्कृत साहित्य के उत्थान का काल था। प. मिश्र सम्बलपुर नरेश महाराज बलियार सिंह देव के समसामयिक हैं। यह महाकाव्य कौशल देश नरेश प्रथम चौहान महाराज रामदेव को केंद्र में रखकर विरचित है।

चौहान वंशचरित के रूप में इस कृति के उस वंश के अन्य निपृतियों की लोकोत्तर शौर्य सम्पदा का भी प्रभायोत्पादक वर्णन किया है।

चिन्हारीः

डा. नीलकंठ देवांगन

अब गांवों में भंदई पहने कोई दिखाई नहीं देते

गांवों में बरसात में पहले किसान और मजदूर अपने पैरों में भंदई पहना करते थे। महिलाएं अकतरिया पहना करती थीं। इससे कांटों, कंकड़ पत्थर और चोटों से पैरों की सुरक्षा हो जाती थी। चिखला (कीचड़) में और खेतों में काम करते समय वे अक्सर पहना करते थे। गांव का मोची मरे जानवर का खाल निकालकर लाता था। कहुआ पेड़ के बीज और छाल से पकाकर पुरुषों के लिए भंदई और महिलाओं के लिए अकतरिया बनाकर बेचा करता था । यह उनका पुस्तैनी धंधा था। ये पूर्णतः चमड़े से बने होते थे। इनमें रबर या प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल भी नहीं होता था 1 जिस किसान का गाय या बैल मरा होता, उसे भेंट में एक जोड़ी भंदई या अकतरिया दे देता था । कोई नाहना (चमड़े का रस्सी) मांगता तो दे देता ।

छत्तीसगढ़ी संस्कृति और वेशभूषा में भंदई ग्रामीण किसानों और मजदूरों का पैरों का खास पहनावा होता था। इसे मुख्य रूप से फिसलने से बचने और कीचड़ में आसानी से चलने के लिए पहना जाता था।यह आज के सैंडिल जैसा होता था, पर सैंडिल से अधिक मजबूत और टिकाऊ होता था।

यह न केवल बरसात में, बल्कि सर्दी और गर्मी में भी पहना जाता था । शौकीन लोग इसमें अण्डी का तेल लगाकर नरम कर और चमका कर पहनते थे । यह वर्षो पुरानी परंपरा थी। ये अब नंदा गए हैं । खेती किसानी के काम अब अधिकतर ट्रैक्टर आदि मशीनों से होने लगे हैं । किसान मजदूरों को पहले जैसे कीचड़ - पानी में नहीं चलना पड़ता । इसलिए भी चलन बंद हो गया है । अब तो न ही मोची भंदई अकतरिया बनाते और न ही लोग इसे पहनते। असली चमड़े से बने होने के कारण ज्यादा लागत होने से इसे कोई ग्रामीण खरीदते नहीं । इसकी तुलना में कंपनी में रेग्जीन प्लास्टिक से बने सैंडिल काफी सस्ते होते हैं। लेकिन भंदई अकतरिया का अपना खास स्थान था।

मौसी का दावा

व्यूज-लाइक के लिए फैलाया जा रहा झूठ

कुणाल और परिवार की मौत की वजह आईफोन नहीं, कुछ और!

एजेंसी ▶▶| पुणे/छत्रपति संभाजीनगर

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) एक आईफोन की जिद और उसकी ईएमआई के विवाद में एक ही परिवार के तीन सदस्यों (माता, पिता और बेटा) की मौत की घटना में बड़ा ट्विस्ट आया है। 18 वर्षीय कुणाल अपने माता-पिता के साथ पहाड़ी से गिरकर मर गया। इसके बाद माता पिता ने भी छलांग लगाकर जान दे दी थी। कुणाल चंदगुडे की मौसी ने एक इमोशनल वीडियो जारी कर लोगों से परिवार के बारे में बिना जांचे-परखे दावे फैलाना बंद करने की अपील की है।

पुलिस ने हादसे पर क्या कहा

पुलिस ने शुरू में उन दावों की जांच की थी कि हो सकता है कि आईफोन की मांग पूरी न होने की वजह से कुणाल चट्टान पर पहुंचा हो। हालांकि शुरुआती जांच से पता चला है कि परिवार में गहरे और लंबे समय से मतभेद थे। डीसीपी (जोन-1) पंकज अतुलकर ने टीओआई को बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि यह हादसा पारिवारिक झगड़े और अंदर ही कुछ गंभीर मतभेदों का नतीजा था। पुलिस को यह भी पता चला है कि कुणाल 2025 में भी आईफोन की मांग पूरी न होने पर उसी चट्टान पर गया था और उसने सुसाइड करने की धमकी दी थी।

पर्सनल लाइफ में उथल-पुथल

जांच करने वालों को संगीता के सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो भी मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि उसकी पर्सनल लाइफ में उथल-पुथल चल रही थी। संगीता ने रिश्तों में सम्मान पर एक मार्मिक वीडियो साझा किया था, जो अब वायरल हो रहा है। जिसमें उन्होंने कहा था अपना भाग्य उसी व्यक्ति को सौंपने के लिए तैयार रहें जो आपका सम्मान करता हो और आपके प्रेम की कद्र करता हो। वीडियो में कुणाल की मां ने यह भी कहा है कि जैसे चपाती तभी स्वादिष्ट लगती है जब वह दोनों तरफ से अच्छी तरह से सेंकी जाए, ठीक उसी तरह रिश्ता भी तभी सार्थक होता है जब दोनों तरफ से अच्छा व्यवहार हो और दोनों एक-दूसरे को महत्व दें।

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में हुए हादसे में नया मोड़

कुणाल की मां संगीता की बहन पल्लवी पाटिल ने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो खूब चल रहे हैं जिनमें दावा किया जा रहा है कि कुणाल ने अपने माता-पिता को इसलिए आत्महत्या करने पर मजबूर किया क्योंकि उसे आईफोन नहीं मिला। पल्लवी ने कहा है कि आप बिना किसी जानकारी के झूठ क्यों फैला रहे हैं? पाटिल ने वीडियो में पूछा, कि जो लोग परिवार या हादसे के हालात को नहीं जानते, वे सिर्फ व्यूज और लाइक्स के लिए वीडियो बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगीता मेरी बड़ी बहन थी, कुणाल मेरा भतीजा था और मुरलीधर मेरा जीजा था। इन तीनों को खोने के बाद हमारे परिवार पर कितना बड़ा पहाड़ टूट पड़ा है, सिर्फ हम ही जानते हैं। पल्लवी ने इस वीडियो में यह भले कहा है कि आईफोन वाली बात अफवाह है लेकिन इन मौतों के पीछे का कारण नहीं बताया है।

'लोग हादसे के बारे में नहीं जानते'

क्या है पूरा मामला? : पिछले दिनों वीडियो सामने आया था। इसमें सुसाइड करने पहाड़ी पर पहुंचे कुणाल को बचाने के चक्कर में दोनों बाप-बेटे गिर गए थे और उसके तुरंत बाद मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी थी। कुछ ही पल में मां-बाप, बेटे की जान चली गई थी। हादसे से पहले कुणाल को बचाने की कोशिश हुई जिसको लेकर 3 घंटे तक पहाड़ी पर कोशिशें होती रहीं।

न्यायालय नायब तहसीलदार,
उप तहसील सकर्रा, तहसील सकरी
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ:- जिला बिलासपुर तहसील-सकरी प.ह.नं. -00039 सकर्रा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-CT202526401114100042

ईश्तहार

तहसील सकरी के प.ह.नं.00039 के अंतर्गत ग्राम सकर्रा के वर्तमान भूमिस्वामी अंकुर आयुष पिता दिनेश मंजू पति दिनेश राकेश देवेंद्र भूपेंद्र पि भागीरथी ना वा मानस पि पिता/पति पता राजेश वली मा ज्योति प राजेश पिता/पति पता-सा देह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 710/1 (2.0060), 69 (0.1170), 822 (0.6880) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता मंजू शर्मा पिता/पति-दिनेश शर्मा पता-सकर्रा, ज्योति गौरहा पिता/पति-राजेश गौरहा पता-सकर्रा, अंकुर शर्मा पिता/पति-दिनेश शर्मा पता-सकर्रा, देवेन्द्र कुमार शर्मा पिता/पति-भागीरथी शर्मा पता-सकर्रा, राकेश कुमार शर्मा पिता/पति-भागीरथी शर्मा पता-सकर्रा, मानस गौरहा पिता/पति-राजेश गौरहा पता-सकर्रा, आयुष शर्मा पिता/पति-दिनेश शर्मा पता-सकर्रा, भूपेंद्र गौरहा पिता/पति-भागीरथी पता-सकर्रा के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 27/08/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार, उप तहसील सकर्रा, तहसील सकरी पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04/08/2026 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार: तोपलाल सिदार
उप तहसील सकर्रा, तहसील सकरी

अभिषेक की गिरफ्तारी पर 30 नवंबर तक रोक

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को तीन आपराधिक मामलों में राहत देते हुए 30 नवंबर तक उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई न करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल उनकी हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं है। हालांकि, अभिषेक को जांच में सहयोग करना होगा और पूछताछ के लिए कम से कम 48 घंटे पहले नोटिस देना होगा।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संतोष गुप्ता एवं श्रीमती अर्चना गुप्ता, निवासी वार्ड नं. 08, हाउस नं. 1909, बाजार चौक, यदुनंदन नगर, तिफरा, बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा श्रीमती आशा चंदानी एवं श्री रोशन चंदानी से खसरा नं. 246/31, क्षेत्रफल 800 वर्गफीट, निर्मित मकान, स्थित सूर्या बिहार कॉलोनी, यदुनंदन नगर, तिफरा, बिलासपुर (छ.ग.) क्रय किया जा रहा है।

उक्त संपत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई हक, अधिकार, दावा, आपत्ति, बंधक या भार हो तो इस सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरी को प्रमाण सहित सूचित करें। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

अधिवक्ता
प्रमोद कुमार कश्यप
नाम : प्रमोद कुमार कश्यप
मो.: 9755061270
दिनांक: 25/08/26

न्यायालय तहसीलदार
बिलासपुर (छ.ग.)
// ईश्तहार //
क्रमांक/क/ तह./ वा./2026
बिलासपुर, दिनांक 20/08/2026
रा.प्र.क्र.../अ-6 (अ)/2025-26
ग्राम-जूना बिलासपुर, प.ह.नं. 36

ग्राम जूना बिलासपुर के सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि मौजा - जूनाबिलासपुर, प.ह.न. 36 तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं. 919/54, 919/67 रकबा 0.0160, 0.0140 हेक्टेयर भूमि का छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के तहत अभिलेख दुरूस्ती के लिए आवेदक श्री धीरज पटेल पिता श्री शमानुज पटेल, निवासी इन्दिरा कालोनी तहसील बिलासपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति/ दावा हो तो मेरे न्यायालय में दिनाँक 07.09.2026 को प्रातः 11.00 स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति/ दावा प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात प्राप्त आपत्ति/ दावा स्वीकार नहीं किये जावेगे।

आज दिनाँक 20/8/2026 को मेरे पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी।

तहसीलदार, बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी
बिलासपुर (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र. / अ-6/2025-26
पक्षकार : हेमंत बंसल पिता स्व. दिनेश कुमार बंसल वगैरह..आवेदकगण
बनाम छ.ग. शासन...अनावेदक

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण हेमंत बंसल पिता स्व. दिनेश कुमार बंसल वगैरह निवासी पुराना हाईकोर्ट रोड पी.जी.बी.टी. कालेज के पास बिलासपुर छ.ग. ने अधिवक्ता के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर नगर पालिक निगम बिलासपुर के मोहल्ला जूना बिलासपुर शीट नं. 37 प्लाट नं. 3/83 रकबा 4000 व.फु. भूमि स्थित है। उक्त भूमि नजूल अभिलेख मे आवेदकगण के पिता/पति दिनेश कुमार बंसल के नाम पर दर्ज है। जिनकी मृत्यु दिनांक 26.03.2026 को हो चुकी है।

आवेदकगण के व्दारा उक्त भूमि को फौती के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109,110 छ.भू.रा.सं. 1959 वास्ते आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे दिनॉक 11/9/2026 को न्यायालयीन समय मे स्वतः उपस्थित होकर अथवा अपने विधि मान्य प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। उक्त तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति/दावा विचारणीय नही हो गया।

आज दिनांक 24.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
बिलासपुर (छ.ग.)

अयोग्यता मामला : स्पीकर बिड़ला से समयसीमा में फैसला लेने की बताई जरूरत

टीएमसी के 20 बागी सांसदों को सुप्रीम नोटिस हुआ जारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उन 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी किया है, जिन्होंने पार्टी से अलग होकर खुद का विलय 'नेशनल सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) में करने का दावा किया था और सत्तारूढ़ एनडीए (एनडीए) गठबंधन का समर्थन किया था। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा में पार्टी के नेता अभिषेक बनर्जी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह नोटिस जारी किया। अदालत ने पहले संकेत दिया था कि वह लोकसभा अध्यक्ष को भी नोटिस जारी करेगी, लेकिन सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध पर ऐसा नहीं किया, जिन्होंने अदालत में स्पीकर की तरफ से पैरवी की। गौरतलब है, बागी सांसदों में सुदीप बंद्योपाध्याय, काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी रॉय, सायोनी घोष सहित कई चर्चित नाम शामिल हैं।

यह है मामला

दरअसल अभिषेक बनर्जी ने अपनी याचिका में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सामने लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द से जल्द और समयबद्ध फैसला लेने की मांग की है। लोकसभा अध्यक्ष की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि स्पीकर ने अयोग्यता याचिकाओं पर बागी सांसदों को पहले ही नोटिस जारी कर दिया है। सॉलिसिटर जनरल के बयान पर जस्टिस जयमाल्य बागची ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'यह केवल नोटिस जारी करने का सवाल नहीं है; असली सवाल प्रक्रिया को एक निश्चित समय के भीतर पूरा करने का है।'

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में 6 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने आतंक के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग अभियानों में छह संदिग्ध आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से हैंड ग्रेनेड, एके-47 की मैगजीन, कारतूस और आपत्तिजनक पोस्टर बरामद किए गए हैं। पहली कार्रवाई हीरपोरा इलाके में नाका चेकिंग के दौरान हुई। सुरक्षाबलों ने जेके18बी-6130 नंबर की एक मोटरसाइकिल को रोककर उस पर सवार तीन लोगों को हिरासत में लिया। उनकी पहचान कुलगाम के चद्दर निवासी जुनैद मुजफ्फर डार, आमिर यूसुफ और मतलहामा निवासी जुनैद बशीर डार के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके पास से दो हैंड ग्रेनेड और आपत्तिजनक पोस्टर बरामद किए गए।

न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/Q/तह. / वा. /2026 — बिलासपुर दिनांक 25/08/26

एतद् द्वारा मोपका के सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि मौजा मोपका प.ह.न. 29 तहसील बिलासपुर (छ.ग.) स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 2399/1 रकबा 6.287, खसरा नंबर 2397 रकबा 0.543 हे., खसरा नंबर 2395 रकबा 0.741 हे., खसरा नंबर 2394 रकबा 1.437, खसरा नंबर 2404 रकबा 0.834 हे0, खसरा नंबर 2405 रकबा 0.024 हे., खसरा नंबर 2411 रकबा 2.176 हे., एवं खसरा नंबर 2412 रकबा 0.081 हे. कुल रकबा 12.124 हे. (29.95 एकड) भूमि का आवेदित संस्था कार्यालय कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल बिलासपुर संभाग-बिलासपुर (छ.ग.) का पत्र क्र. 833 बिलासुपर दिनांक 02.03.2026 एवं कार्यालय कलेक्टर (भू-बंटन शाखा) बिलासपुर ज्ञापन क्र. / भू-बंटन / 2026 बिलासपुर दिनांक 09/03/2026 के अनुसार राज्य शासन "प्रवर्तित अटल विहार योजना" हेतु चिन्हांकित भूमि का का भू-आबंटन हेतु न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बिलासपुर से जांच एवं प्रतिवेदन प्राप्त हुआ है।

यदि किसी संस्था/व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति/ दावा हो तो मेरे न्यायालय में दिनांक 11/09/26 को सुबह 11:00 बजे स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर जवाब / दावा प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति स्वीकार नही किये जायेंगे। आज दिनांक 28/08/26 को मेरे पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी।

तहसीलदार
बिलासपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन
पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
सामान्य वनमंडल, महासमुन्द (छत्तीसगढ़)

नीलाम का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि सामान्य वनमंडल महासमुन्द के पिथौरा काष्ठागार में ईमारती काष्ठ का निवर्तन ई-ऑक्शन द्वारा दिनांक 10.09.2026 को किया गया जायेंगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/पिथौरा काष्ठागार से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम स्थल का नाम-पिथौरा, नीलाम दिनांक-10.09.2026, नीलाम समय- 9:00 बजे प्रातः से

नीलाम दिनांक 10.09.2026 को रखे जाने वाले वनोपज का अनुमानित मात्रा काष्ठागार पिथौरा

क्र.	प्रजाति	नया वनोपज				अन्सोल्ड (पुराना) वनोपज				कुल वनोपज			
		घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	फे.पोल	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	फे.पोल	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	फे.पोल
1	सागौन	7.237	364	330	0	2067.929	20761	69717	0	2075.166	21125	70047	0
2	साल	0.000	0	0	0	5.676	54	0	0	5.676	54	0	0
3	शीशम	0.000	0	0	0	1.087	0	0	0	1.087	0	0	0
4	बीजा	0.000	0	0	0	9.343	87	0	0	9.343	87	0	0
5	साजा	0.000	0	0	0	6.265	124	0	0	6.265	124	0	0
6	हल्दु मुड़ी	0.000	0	0	0	16.945	0	0	0	16.945	0	0	0
7	धावड़ा	0.000	0	0	0	10.287	0	0	0	10.287	0	0	0
8	तिन्सा	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0
9	खम्हार	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0
10	पापड़ा	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0
11	सलिहा मोदे	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0
12	अन्य	0.000	0	0	0	33.465	1488	0	1826	33.465	1488	0	1826
योग :-		7.237	364	330	0	2150.997	22514	69717	1826	2158.234	22878	70047	1826

काष्ठागार पिथौरा (सराईटार) 1440 शहर व्यापारिक बांस (पुराना)	डिपो बागबाहरा 2249 नग व्यापारिक बांस पुराना
जोगीडीपा डिपो महासमुन्द जलाऊ 53 चट्टा (पुराना)	काष्ठागार डिपो पिथौरा-9525 नग व्यापारिक बांस (पुराना)
0	बागबाहरा डिपो 39000 नग व्यापारिक बांस (पुराना)

बलौदा बाजार वनमंडल के अंतर्गत निस्तार/उपभोक्ता/अस्थायी पड़ाव डिपो में संग्रहित वनोपज की मात्रा

क्र.	डिपो	जलाऊ पुराना	व्यापारिक बांस पुराना (नग)	औद्योगिक बांस पुराना (बंडल)	क्र.	डिपो	फेंसिंग पोल पुराना	जलाऊ पुराना	व्यापारिक बांस पुराना (नग)
1	बरपाली	51	4649	0	5	पलारी	0	0	404
2	थरगांव	0	2690	0	6	बलौदाबाजार	0	29	250
3	अ.प.नवागांव	0	0	22760	7	अ.प. देवपुर	0	0	0
4	सिमगा	28	0	0	-	-	-	-	-
सिमगा डिपो -6 जलाऊ चट्टा (नया)									

टीप :-
1/ क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ईकॉमर्स में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है।
2/ क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईस मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने ई-वॉलेट में रखना अनिर्वाय है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशन ईएमडी की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3/ लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आईडी से लॉग-इन करके देख सकते है।
4/ ई-ऑक्शन में लॉट क्रय करने हेतु प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा। उसी लॉट को क्रय करने के लिए अन्य क्रेताओं को 30 सेकण्ड का अतिरिक्त समग प्राप्त होगा। 20 सेकण्ड तक बोली नहीं लगने पर लॉट पर बोली बंद हो जावेगा।

दूरभाष क्रमांक 07723-222084 (कार्यालय)

वनमंडलाधिकारी
सामान्य वनमंडल महासमुंद (छ.ग.)

जी-262702954/2

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं पुराना नाम अनुष्का बारपांडे पिता प्रशांत सुधाकर बारपांडे अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम अनुष्का प्रशांत बारपांडे पिता प्रशांत सुधाकर बारपांडे, निवास - फ़्लैट नं. 305, ओम गार्डेंस, पारिजात कॉलोनी, गजानन मंदिर के पास, नेहरू नगर के पीछें, बिलासपुर (छ. ग.) पिन नं. 495001 रख ली हूँ

अतः मुझे भविष्य में समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजो में नया नाम अनुष्का प्रशांत बारपांडे पिता प्रशांत सुधाकर बारपांडे नाम से जाना एवं पहचाना जाय।

अनुष्का प्रशांत बारपांडे
फ़्लैट नं. 305, ओम गार्डेंस, पारिजात कॉलोनी, गजानन मंदिर के पास, नेहरू नगर के पीछे, बिलासपुर (छ.ग.)
पिन नं. 495001

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं पुराना नाम प्रशांत बारपांडे पिता सुधाकर बालकृष्ण बारपांडे अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम प्रशांत सुधाकर बारपांडे पिता सुधाकर बालकृष्ण बारपांडे, निवास - फ़्लैट नं. 305, ओम गार्डेंस, पारिजात कॉलोनी, गजानन मंदिर के पास, नेहरू नगर के पीछें, बिलासपुर (छ.ग.) पिन नं. 495001 रख लिया हूँ

अतः मुझे भविष्य में समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजो में नया नाम प्रशांत सुधाकर बारपांडे पिता सुधाकर बालकृष्ण बारपांडे नाम से जाना एवं पहचाना जाय।

प्रशांत सुधाकर बारपांडे
फ़्लैट नं. 305, ओम गार्डेंस, पारिजात कॉलोनी, गजानन मंदिर के पास, नेहरू नगर के पीछे, बिलासपुर (छ.ग.)
पिन नं. 495001

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलौदाबाजार (छ.ग.)
E-mail-dkcollegebaloda18@gmail.com
Website-gdkcbalodabazar.ac.in

कमांक 681/स्था./2026-27 — बलौदाबाजार, दिनांक 19/08/2026
परिशिष्ट 01

अतिथि व्याख्याता हेतु संक्षिप्त विज्ञापन 2026-27

शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलौदाबाजार (छ.ग.) के प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक एवं क्रीड़ा अधिकारी के रिक्त पदो के विरूद्ध अध्यापन / खेल-कूद व्यवस्था हेतु योग्य एवं निर्धारित अर्हताधारी आवेदकों से अतिथि व्याख्याता, अतिथि क्रीड़ा अधिकारी एवं अतिथि शिक्षण सहायक / क्रीड़ा सहायक हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

आवेदक अपने समस्त प्रमाण-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन दिनांक 11/09/2026 को सायं 05:00 बजे तक रजिस्टर्ड डाक अथवा वाहक के हस्ते (कार्यालय से पावती प्राप्त करें) प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

नोट:- विस्तृत विज्ञापन संस्था के नोटिस बोर्ड, महाविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड किया गया है, जिससे विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

(डॉ.धनंजय मिश्र)
प्राचार्य
शास. दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलौदाबाजार (छ.ग.)

जी. 262702959/2

न्यायालय नायब तहसीलदार रायगढ़ जिला - रायगढ़

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202608041000001/42/अ-19(3)/2025-2026
ग्राम - कोसमनारा तह. रायगढ़

एतद् द्वारा सर्वसाधारण ग्राम कोसमनारा प.ह.न. 07 रा.नि.मं. किरोडीमल नगर रायगढ़ को सूचित किया जाता है कि धीक्षण यंत्री (रायगढ़ वृत्त) छ.ग. स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड रायगढ़ द्वारा पत्र क्र 1130/04/भण्डार/1514 दिनांक 24.07.2026 के माध्यम से आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि वर्तमान में छ.ग. स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड का क्षेत्रीय भण्डार रायगढ़ सघन रिहायशी क्षेत्र में स्थित है। जिसे जनसुरक्षा एवं प्रशासनिक सुविधा के दृष्टिकोण से किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर विस्थापित किया जाना नितांत आवश्यक है। उक्त प्रयोजन हेतु रायगढ़ जिला मुख्यालय के समीप शहरी एवं आबादी क्षेत्र से बाहर ग्राम कोसमनारा प.ह.न. 08 तहसील व जिला रायगढ़ में स्थित शासकीय भूमि ख.न. 20/1 कुल रकबा 3.3120 हे (लगभग 8.00 एकड़) को चिन्हित किया गया है। उक्त भूमि वर्तमान में पूर्णतः रिक्त विवादरहित एवं बाऊण्ड्रीवाल से सुरक्षित है जो विद्युत कम्पनी के भण्डार कार्यालय एवं परिसर निर्माण हेतु पूर्णतः उपयुक्त पाई गई है। अतः लोकहित एवं सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उक्त शासकीय भूमि को क्षेत्रीय भण्डार के शीघ्र विस्थापन हेतु कार्यपालन यंत्री (सिविल संभाग) छ.ग. स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड बिलासपुर के नाम पर आबंटित करने हेतु श्रीमान कलेक्टर महोदय के समक्ष आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने पर प्रकरण मूलतः न्यायालय श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रायगढ़ से इस न्यायालय को बिन्दुवार जाँच प्रतिवेदन हेतु प्रकरण मूलतः प्राप्त हुआ है।

प्रस्तुत आवेदन पर इस न्यायालय में दिनांक 07.09.2026 को सुनवाई नियत की गई है। उक्त संबंध में किसी कोई आपत्ति या आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति/आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
रायगढ़ (छ.ग.)

संवाद - 48857

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 198149/निविदा सूचना क्रमांक 06/वलेलि/2026-27, गरियाबंद, दिनांक 24.08.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 15.09.2026 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:

कार्य का नामः गरियाबंद जिले के छुरा विकासखण्ड के नांगझर व्यपवर्तन योजना के डायवर्सन वियर (शीर्ष कार्य) का पुर्ननिर्माण कार्य, एफलक्स बण्ड का निर्माण कार्य, मुख्य नहर के आरडी. 0 से 2550 मी. का रिसेक्शनिंग एवं सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग कार्य, 05 नग व्ही.आर.बी. एवं 25 नग कुलाबा का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 239.59 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 31.08.2026 समय 17:31 बजे से देखे तथाडाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, गरियाबंद
कृते, मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

जी. 262702961/6

Public Works Department
Office of The Superintanding Engineer, Pwd,
Raipur Circle No.-1 Raipur. (C.G.)

REQUEST FOR PROPOSAL (RFP)
(2nd Call)

No. 06/Raipur/2026-27 — Raipur, Dated. 24.08.2026

Public Works Department (PWD) invites proposal for Planning, Design, Estimation and related services for the work डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर के अधीन एडवांस कार्डियेंक इंस्टीयूट भवन निर्माण कार्य हेतु वास्तुविद् (आर्किटेक्ट) नियुक्त करने बाबत।
Situated at Raipur
Probable cost of project Rs. 500.00 Lakh.
Minimum eligibility for participants shall be as below :-

S. N.	Building project cost	The applicant firms, firms forming Joint venture/consortium shall be	Earnest money (In shape as per annexure I) Favor of Executive Engineer, PWD Division No.-02, Raipur
1	For project cost Between 01 to 10 Crore	Empanelled as architect in Class "D" & Above Class in C.G. PWD.	Rs.3,000-00

General Condition: All the documents & Information as per para 6.4, shall be submitted through speed post/Registered post. so as to reach the office of under signed on or before dated 09.09.2026 by 17.30 hour. Any documents received after the last date and time will not be entertained.

The detailed RFP is available on the website www.cg.nic.in/pwdraipur & http://cgstate.gov.in/ from where it can be downloaded for submission. CG.PWD reserves the right to reject all or any of the application without assigning any reason. Right to modify the process of Pre-qualification is reserved with CG.PWD.

Superintending Engineer
Public Works Department
Raipur Circle No-1 Raipur

जी-262702966/3

प्रथम पृष्ठ का शेष

हॉकी में छग...

भारत की पहली आधिकारिक राज्य स्तरीय हॉकी लीग बताया गया है। इसमें राज्य के छह शहरों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी। लीग चरण के बाद शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी और इसके बाद मुकाबले नॉकआउट प्रारूप में होंगे। फाइनल 1 नवंबर को प्रस्तावित है। इसी दिन महिला टीमों के बीच विशेष प्रदर्शनी मुकाबला भी आयोजित किया जाएगा।

'बघवा' होगा लीग...

वाल्मीकि जैसे खिलाड़ियों के शामिल होने की जानकारी दी गई है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों को राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। उनके अनुसार, छत्तीसगढ़ हॉकी लीग प्रदेश में हॉकी के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और उभरते खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी मंच देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सड़क पर शिक्षक...

पदोन्नति का लाभ नहीं मिल सकेगा। छग में इसे लागू कर दिया गया है। यहां शिक्षक 2028 तक बगैर टेट पदोन्नति व वेतनवृद्धि की मांग कर रहे हैं।
ऐसे रहे प्नजारे- सूरजपुर : छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले सैकड़ों शिक्षकों ने स्थानीय रंगमंच से संयुक्त जिला कार्यालय तक नारेबाजी करते हुए रैली निकाली। शिक्षकों के आंदोलन के चलते जिले के कई स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित रही और शिक्षकों की गैरमौजूदगी के कारण बच्चों की पढ़ाई पर भी असर पड़ा जिसे लेकर पालकों में चिंता नजर आई। बलरामपुर : शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रदेशव्यापी आव्हान पर बलरामपुर में 2408 शिक्षकों ने अपने 5 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। इधर तहसीलदार ने कहा की शिक्षकों से प्राप्त ज्ञापन को कलेक्टर के माध्यम से शासन को भेजा जाएगा। अंबिकापुर : अन्य जिलों की अपेक्षा यहां विशाल रैली निकाली गई। जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी सा माहौल रहा।

बहनों ने बांधी...

अवसर पर भावुक हो उठे। उन्होंने शहीद श्री वर्मा के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए शहीद जवानों के परिवारों के साथ सदैव खड़े रहने का संकल्प दोहराया।
इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, विधायक पुरंदर मिश्रा, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, छत्तीसगढ़ राज्य तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार साहू, छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कांवड़िया, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सहित जनप्रतिनिधि, सुरक्षा बलों के अधिकारी-जवान, स्कूली विद्यार्थी, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्य और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्रभारियों से पूछा-...

गई। बुधवार को शेष 17 जिलों पर चर्चा होगी। सभी प्रभारी मंत्रियों को दो माह पहले मुख्यमंत्री निवास में हुई बैठक में दो माह का अल्टीमेटम दिया गया था। अब दो माह उनके कामों की समीक्षा की जा रही है।
दो माह पहले मुख्यमंत्री निवास में एक बड़ी बैठक हुई थी। इस बैठक में प्रभारी मंत्रियों को साफ शब्दों में कहा गया था कि जिलों के प्रभारियों के हिसाब से काम किया जाए और कार्यकर्ताओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रभारी मंत्रियों को जिलों पर पूरा फोकस करने की नसीहत दी गई थी। मंत्रियों से साफ कहा गया था, जनता में असंतोष नहीं होना चाहिए। जनता के हितों के कामों को प्राथमिकता के साथ किया जाए। इसी के साथ हर माह बैठक लेने भी कहा गया था और बैठकों में अनिवार्य रूप से रहने के निर्देश दिए गए थे। अब इसी की समीक्षा करने का काम संगठन कर रहा है कि जिलों में दो माह में क्या-क्या हुआ है।

सीएम के साथ...

काम की गति कैसी है, कहीं कोई परेशानी तो नहीं है। जो भी कमियां सामने आएंगी उनको तालमेल के साथ सुलझाया जाएगा।

पहले दिन 16 जिलों...

कहा गया। प्रशासनिक स्तर की भी जानकारी ली गई कि प्रशासनिक स्तर पर जिले में क्या स्थिति है। जिलों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर भी जानकारी ली गई। संगठन को लेकर भी जानकारी ली गई कि जिलों में संगठन की पूरी टीम बनी है या नहीं। सभी प्रभारी मंत्रियों से जिलों के प्रभारियों, जिलाध्यक्षों के साथ तालमेल के साथ काम करने के लिए कहा गया।

रक्षाबंधन पर दुर्ग...

होगी। ट्रेन भिलाई नगर, भिलाई पॉवर हाउस, भिलाई, देवबलोदा, चरोदा, कुम्हारी, सरोना, सरस्वती नगर होते हुए 11.25 बजे रायपुर पहुंचेगी। इसके बाद डब्ल्यूआरएस, उरकुरा, मांढर, सिलयारी, बैकुंठ, तिल्दा-नेवरा, हथबंद होते हुए 12.50 बजे भाटापारा पहुंचेगी। ट्रेन आगे निपानिया, दगोरी, बिल्हा, चकरभाटा, दाधापारा, 14.45 बजे बिलासपुर, फिर गतौरा, जयरामनगर, अकलतरा, जांजगीर-नैला, चांपा, सक्ती, खरसिया सहित अन्य स्टेशनों से होकर 19 बजे रायगढ़ पहुंचेगी।

अमेरिका ने चार ...

भारतीय कंपनियों पर रोक लगाई गई है। उनमें कस्टम्स ब्रोकर पोर्टीज पार्टनर लिमिटेड एलएलपी और उसकी साझेदार इंद्रिस्मिया अशरफमिया शेख, हरीश रामचंद्र रंगी मुख्य हैं। इसके अलावा सदाशिव ओवरसीज लिमिटेड, पीपी सॉफ्टटेक प्राइवेट लिमिटेड और पी इंफ्रा इंपैक्स प्राइवेट लिमिटेड जैसी भारतीय कंपनियां भी इस सूची में शामिल हैं। इस पूरे मामले को लेकर अमेरिका के विदेश विभाग ने एक प्रेस बयान भी जारी किया है।
इधर, ट्रंप का दावा
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को दावा किया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मौजूद सभी बारूदी सुरंगों को हटा दिया गया है या उन्हें विस्फोट कर नष्ट कर दिया गया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी अमेरिकी नौसेना से मिली है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर किसी जहाज या नाव ने होर्मुज में नई बारूदी सुरंगें बिछाने की कोशिश की तो उसे तुरंत और व्यवस्थित तरीके से नष्ट कर दिया जाएगा। ट्रंप ने यह दावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में किया। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका की 'जीरो टॉलरेंस' नीति लागू है।

विदेशी चीनी को दो ...

सप्लाई बढ़ाने में मदद मिलेगी। इधर, राजधानी रायपुर में मंगलवार को चीनी के दाम में तीन रुपए की गिरावट आई है। केंद्र सरकार ने शुल्क-मुक्त आयात की गई कच्ची चीनी के प्रसंस्करण और बिक्री की समयसीमा में बदलाव किया है। अब आयातकों को बिल ऑफ एंट्री दाखिल करने की तारीख से अधिकतम दो महीने का समय मिलेगा, जिसके भीतर उन्हें कच्ची चीनी को रिफाइंड चीनी में बदलकर घरेलू बाजार में बेचना होगा। जब कोई व्यापारी या आयातक विदेश से माल मंगाता है, तो माल के पोर्ट पर पहुंचने से पहले या उस समय सीमा शुल्क विभाग को एक घोषणा पत्र देना होता है। इसे ही बिल ऑफ एंट्री कहते हैं। इसके माध्यम से सरकार को माल की मात्रा, मूल्य, और उस पर लगने वाले कर की जानकारी मिलती है। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने अगस्त की शुरुआत में अधिसूचित उन नियमों में संशोधन किया है।
जिनके अंतर्गत टैरिफ रेट कोटा-टीआरक्यू योजना के अंतर्गत 10 लाख टन कच्ची चीनी के आयात की अनुमति दी गई थी।
इससे पहले टीआरक्यू के तहत आयात की गई कच्ची चीनी को 31 अक्टूबर तक रिफाइंड चीनी में प्रसंस्कृत कर घरेलू बाजार में बेचना जरूरी था।
इसके अतिरिक्त सरकार ने 20 अगस्त को घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों में तेज वृद्धि के बीच, आगामी त्योहारी सीजन से पहले टीआरक्यू योजना के तहत 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी थी। हालांकि, ताजा संशोधन में 20 अगस्त की अधिसूचना में दिए गए अन्य नियमों और शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।
जांच के लिए उड़न दस्ते तैनात
राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ (एनएफसीएसएफ) के प्रबंध निदेशक प्रकाश नाईकनवरे ने कहा कि फिलहाल देश के किसी भी राज्य में मिल स्तर के भाव 55 रुपए प्रति किलोग्राम से अधिक नहीं है। उन्होंने कहा कि देशभर में जमाखोरी की जांच के लिए उड़न दस्ते तैनात किए गए हैं और केंद्र के हस्तक्षेप से कीमतों में बढ़ोतरी पर अंकुश लगा है। उन्होंने कहा कि चीनी के मिल भाव में आगे भी गिरावट की उम्मीद है। नाईकनवरे के मुताबिक, आमतौर पर चीन के मिल और थोक भाव में दो-तीन रुपये तथा मिल और खुदरा भाव में सात-आठ रुपये प्रति किलोग्राम का अंतर होता है।
त्योहारी सीजन के कारण फैसला
सरकार का यह फैसला अगस्त से नवंबर के बीच आने वाले त्योहारी सीजन से पहले घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर दबाव कम करने के प्रयासों के तहत आया है। इस अवधि में आमतौर पर चीनी की मांग बढ़ जाती है।

50 का लोहा 150...

जीवनशैली, प्रकृति और सांस्कृतिक विरासत को धातु में अभिव्यक्त करने का माध्यम है। बस्तर ढोकरा को वर्ष 2008 में भौगोलिक संकेतक (जीआई) पंजीकरण प्राप्त हुआ है। सदियों पुरानी परंपरा में हर कलाकृति हाथों से गढ़ी जाती है। बस्तर में ढोकरा कला मुख्य रूप से घड़वा समुदाय से जुड़ी मानी जाती है। इसके डिजाइनों में जनजातीय जीवन, धार्मिक अनुष्ठान, पशु-पक्षी, जंगल, पहाड़, खेत और रोजमर्रा की गतिविधियों की झलक दिखाई देती है। इन दिनों बेलमेटल और लौहशिल्प कला रॉ मटेरियल के मंहगा होने से संकट में है। दूसरी परेशानी शिल्पियों से उनके बनाए कलाकृति की खरीदी को लेकर है। पहले क्वॉलिटी और कलाकृति की बारीकी को देखकर खरीदी होती थी लेकिन अब सरकारी खरीदी तौल कर होने से इस कला की बारीकी और क्वॉलिटी दोनों खत्म हो रही है। शिल्पकार भी अब बारीकी में कम बल्कि वजन और सामान्य निर्माण में ध्यान देने लगे हैं। वहीं खुले बाजार में बारीकी और क्वॉलिटी की मांग होने से दोनों तरह के काम हो रहे हैं। हरिभूमि ने नगरनार के प्रसिद्ध लौह शिल्पी विद्याधर विश्वकर्मा से चर्चा की । उन्होंने बताया कि लौह शिल्प में मुख्य रूप से लोहा और कोयला का इस्तेमाल होता है इन दोनों का दाम दोगुना तिगुना बढने से परेशानी हो रही है । पहले 50-60 रुपए किलो में लोहा मिल जाता था जो अब 150 से 200 रुपए में मिल रहा है । वहीं कोयला भी महंगा हो गया है ओडिशा के कोटपाड से लाकर 150 रुपए पीपा में दे रहे हैं जो पहले 30-40 रुपए में मिल जाता था। वहीं पॉलिश आइटम भी मंहगा हुआ है।
बस्तर और कोंडागांव जिले में धातु शिल्प का काम-
बस्तर जिले के चिलकुटी,एर्राकोट, केमरा, अलवाई और खोरखोसा तथा कोंडागांव जिला ढोकरा मेटल क्राफ्ट (धातु शिल्प) के पारंपरिक संरक्षक हैं। यह 'लॉस्ट-वैक्स कास्टिंग' (मोम पिघलाकर साँचा बनाने) की एक प्राचीन प्रक्रिया है। विशेषज्ञ इस तकनीक को सिंधु घाटी सभ्यता की मशहूर कांस्य मूर्ति डांसिंग गर्ल से जोड़ते हैं। भारतीय उपमहाद्वीप में धातु-निर्माण की सबसे पुरानी परंपराओं से इसका संबंध बताते हैं।

बाजार का लाभ...

डिजिटल विपणन और नई पीढ़ी के लिए आर्थिक अवसर उपलब्ध कराना भी जरूरी है।

सांचा तोड़कर कलाकृति...

उस पर बारीक डिजाइन बनाई जाती है। इसके बाद मिट्टी की परत चढ़ाकर सांचे को तैयार किया जाता है। गर्म करने पर मोम बाहर निकल जाता है और उसके स्थान पर पिघली हुई धातु भर दी जाती है। सांचा तोड़कर कलाकृति बाहर निकाली जाती है। यही कारण है कि ढोकरा की प्रत्येक कलाकृति अपने आप में अलग होती है।

अनुकंपा नियुक्ति में ...

नौकरी के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद उनकी शादीशुदा बेटियों अंकिता मिश्रा और शीना डेविड ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, लेकिन बैंक ने आवेदन खारिज कर दिया।इसके खिलाफ दोनों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सिंगल बेंच ने 7 मई 2026 को उनकी याचिकाएं खारिज कर दी थीं। इसके खिलाफ रिट अपील दायर की गई।

जाति जनगणना में...

पत्र में कहा है कि 'ओपन-एंडेड' सवालों के जरिए जातियों की सही गिनती संभव नहीं है। एक ही जाति अलग-अलग नामों और उपजातियों में दर्ज हुई तो आंकड़े बिखरेंगे और सबसे बड़ा नुकसान ओबीसी, अति पिछड़े व वंचित समुदायों को होगा। पार्टी ने मांग की है कि तेलंगाना और बिहार में अपनाई गई पद्धति के अनुसार जातियों की प्रमाणित सूची के आधार पर नई प्रश्नावली तैयार कर देशभर में जातिगत जनगणना कराई जाए। पार्टी ने नई प्रश्नावली के लिए राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और जनता से व्यापक परामर्श करने की भी मांग की है।
नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने यह जानकारी दी। इस दौरान उनके साथ ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद भी मौजूद थे।
जयराम रमेश ने बताया कि मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने 20 अगस्त को लिखे इस पत्र में जातिगत जनगणना की मौजूदा प्रक्रिया पर अपनी गंभीर आपत्ति दर्ज कराई है। पत्र में यह मांग की गई है कि मौजूदा प्रश्नावली रद्द हो, जातियों की प्रमाणित सूची के आधार पर नई प्रश्नावली बने। इसके अलावा दोनों नेताओं ने यह भी कहा है कि तेलंगाना और बिहार के जाति सर्वेक्षणों की तरह पहले से तैयार एवं प्रमाणित जाति सूची के आधार पर गणना इसका व्यावहारिक समाधान है।
जयराम रमेश ने स्पष्ट किया कि यह कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री को लिखा गया तीसरा पत्र है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 16 अप्रैल 2023 को पहला पत्र और 5 मई 2025 को रचनात्मक सुझावों के साथ दूसरा पत्र लिखा था, लेकिन इन दोनों ही पत्रों का सरकार की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।
कांग्रेस महासचिव ने याद दिलाया कि 2023 और 2024 के चुनावों के समय जब कांग्रेस ने जातिगत जनगणना की मांग की थी, तब प्रधानमंत्री ने इसे 'अर्बन नक्सल' सोच बताया था। उन्होंने कहा कि 30 अप्रैल 2025 को प्रधानमंत्री ने यूटर्न लेते हुए 2027 में जातिगत जनगणना कराने का ऐलान किया और अब सरकार इसके प्रारूप को लेकर फिर से नया यूटर्न ले रही है।
जयराम रमेश ने बताया कि बीती 14 अगस्त को जारी अधिसूचना में 40 सवाल हैं और दसवें प्रश्न से ही स्पष्ट हो जाता है कि मोदी सरकार ईमानदारी से जातिगत जनगणना नहीं कराना चाहती। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जानबूझकर इसे ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने 21 सितंबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट में दायर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के हलफनामे का हवाला देते हुए कहा कि उसमें स्वयं सरकार ने स्वीकार किया था कि जातिगत जनगणना के लिए पहले से जातियों की सूची तैयार होना आवश्यक है।
खरगे और राहुल गांधी के पत्र का हवाला देते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भारत में एक ही जाति विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नामों, उपजातियों और भाषाओं से जानी जाती है। ऐसे में यदि जातिगत जनगणना कर रहे गणनाकारों के पास पहले से प्रमाणित जातियों की सूची नहीं होगी तो एक ही जाति के कई नाम दर्ज हो जाएंगे, इससे प्रक्रिया में गंभीर खामियां आएंगी। उन्होंने कहा कि देश में जातियों के अलग-अलग दर्ज होने से आंकड़ों में बड़ी विसंगतियां पैदा होंगी और पूरी प्रक्रिया से प्राप्त आंकड़े ही अनुपयोगी हो जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि जब किसी समुदाय की सही संख्या ही सामने नहीं आएगी, तो उसकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति का सही आकलन भी संभव नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा प्रारूप से देश में ओबीसी की आबादी का सही आंकड़ा सामने नहीं आएगा, क्योंकि प्रश्नावली में 'पिछड़ा वर्ग' शब्द तक शामिल नहीं है।
उन्होंने मांग की कि मौजूदा प्रश्नावली रद्द कर राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और जनता से व्यापक विचार-विमर्श के बाद नई प्रश्नावली तैयार की जाए, ताकि प्रत्येक जाति और समुदाय की सही संख्या सामने आ सके तथा जाति जनगणना सटीक, सार्थक व सामाजिक न्याय के लिए उपयोगी साबित हो।
उन्होंने कहा कि अभी जातिगत जनगणना जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ क्षेत्रों में शुरू हुई है और फरवरी 2027 से इसे पूरे देश में शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार के पास अभी भी प्रारूप में आवश्यक सुधार करने का समय है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यूं जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- झाड़, पोछा, साफ, सफाई, वेटर कार्य हेतु 18वर्ष से ऊपर के व्यक्ति की। वेतन 10000, ग्रामीणों के लिए रहना, खाना निःशुल्क सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898, 9827940898 (41703)

आवश्यकता है- श्री शारदा ग्रुप बिलासपुर में ऑफिस कार्य हेतु ऑफिस बॉय की आवश्यकता है। कार्य- ऑफिस की साफ, सफाई, चाय, पानी देना एवं अन्य सामान्य ऑफिस कार्य करना। केवल पुरुष उम्मीदवार सुबह 9बजे से शाम 6बजे तक सम्पर्क करें- ऑफिस नम्बर 431, चौथी मंजिल मैग्नेटो मॉल बिलासपुर 9074922311 (41702)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर में शेयर काम के लिए कॉमर्स फील्ड, इंग्लिश मीडियम से पढ़ी लिखी युवती की आवश्यकता है। पता- पार्क एवेन्यू, व्यापार विहार बिलासपुर सम्पर्क करें- 982716394 (5445)

आवश्यकता है- अनुभवी नशा मुक्त कार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 15000 सम्पर्क करें- सक्षम टीएमटी सुनयन चश्मा के बगल में, सदर बाजार, करोना चौक बिलासपुर (41698)

आवश्यकता है- थ्रीव्हीलर ईवी शोरूम में सेल्स एग्जीक्यूटिव- 4पद, मैकेनिक 2पद की आवश्यकता है। वेतन+ आकर्षक इंसेंटिव। अनुभवी को प्राथमिकता। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- श्री बजरंग ऑटोमोबाइल (Kinetic Green) तोरवा बिलासपुर 7999509145 (41705)

Required-Staff required having knowledge of accounting in tally, GST and TDS. The candidate having work experience for minimum two years will be preferred. Contact- 9302235101, 8818989007 (41692)

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (41704)

आवश्यकता है-पेट्रोल पम्प कार्य करने हेतु महिला/ पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। स्थान- सरगाँव। मेहनती एवं जिम्मेदार उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें-7692090000 (1355)

Required-Required An experienced Graduate D.Ed., B.E.d Science, Maths English and Hindi Teachers fluncy in English class 1st to 9th Contact- Golden Nursery Public School Near SBI shanti Nager Bilaspur 9893650193 (41693)

आवश्यकता है-(1) सिविल साइट सुपरवाइजर (अनुभवी साइट चलाने योग्य) (2) ऑटोमैटिक कार हेतु अनुभवी लाइसेंसी, मेहनती, नशामुक्त ड्राइवर की आवश्यकता है सैलरी योग्यतानुसार। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9770770000, 9827072000 (41659)

आवश्यकता है-व्यापार विहार स्थित जनरल दुकान में अनुभवी लड़का/ लड़की (जो टैली में बिल बनाना जानता हो) कार्य करने के लिए आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्रीनानक ट्रेडर्स व्यापार विहार बिलासपुर 88273 88273 (1347)

आवश्यकता है-अनुभवी रिसेपशनिस्ट हॉस्पिटल मैनेजमेंट, अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर) फील्ड वर्क मार्केटिंग, OT टेक्नीशियन की आवश्यकता है सम्पर्क करें-प्रभा हॉस्पिटल महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 (1346)

आवश्यकता है-आफिस एवं घरेलू कार्य करने हेतु अनुभवी ड्राईवर की आवश्यकता है आधार कार्ड लाईसेन्स के साथ सम्पर्क करें-9685901101 (41699)

आवश्यकता है-ऑफिस में महिला/ युवती कम्प्यूटर आपरेटर असिस्टेंट, पार्ट टाइम या फुल टाइम के लिए अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन 8000 से 10000 तक तुरन्त सम्पर्क करें- 7898952462 (41696)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर आपरेटर लड़िकयों की आवश्यकता है NGO ग्रुप को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 8461886239 (830)

बेचना है

बेचना है-एक परिसर 32×97 वर्गफुट मेन रोड तखतपुर में 3 मंजिला ग्राउंड फ्लोर में SBI बैंक किराए में है एवं फर्स्ट फ्लोर में एक शानदार फैमिली रेस्टोरेंट व सेकंड फ्लोर में 1BHK का 2 फ्लैट और 2BHK का 2 फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 8770546668, 9893317888 (1501)

बेचना है-हार्वेस्टर मॉडल 2019 (विशाल) अति शीघ्र बेचना है। इच्छुक खरीददार सम्पर्क करें- केशव प्रसाद साहू, दीपक साहू ग्राम सिंघरी बिलासपुर 7987314931, 9926114657, 6268747009 (41700)

किराया

किराया-राजकिशोर नगर में स्मृतिवन गेट के सामने मेन रोड प्लास-39 दुकान तीन शटर (एक किचन, वाशरूम, रूम, 20×30 हॉल) 1500 वर्गफुट, बैंक, ऑफिस, कोचिंग, रेस्टोरेंट, सम्पर्क करें- नितिन जैन 7878216136 (41701)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586
हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:-	मो. 8109229025

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवायें।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

ईएफएल कप : चेल्सी की फुलहम पर रोमांचक जीत

एजेंसी ▶▶| लंदन

ईएफएल कप में चेल्सी ने रोमांचक मुकाबले में फुलहम पर 3-2 की जीत दर्ज की। चेल्सी की जीत में कोल पामर की भूमिका अहम रही। वहीं, चेल्सी के साथ जाबी अलोंसो के करियर की शुरुआत भी धमाकेदार अंदाज में हुई। चेल्सी के लिए जोआओ पेड्रो ने मैच के पहले मिनट में गोल किया। फुलहम की तरफ से जोश किंग ने 23वें मिनट में गोल किया और टीम को बराबरी पर ले आए।

इसके बाद चेल्सी के लिए लगातार 2 गोल हुए। मॉर्गन रोजर्स ने 41वें और कोले पामर ने 49वें वें मिनट में गोल किया। पामर के गोल के बाद चेल्सी की बढ़त 3-1 की हो गई थी। लेकिन, फुलहम की तरफ से गोंजालिजो ग्रेसिया ने 54वें मिनट में गोल कर फुलहम की वापसी की उम्मीदों को जिंदा किया। हालांकि, इसके बाद टीम की तरफ से और कोई गोल नहीं हो सका और फुलहम को चेल्सी ने 3-2 से हरा दिया।

अलोंसो के करियर की धमाकेदार शुरुआत

चेल्सी ने हासिल किए तीन पॉइंट्स

चेल्सी के लिए यह जीत बड़ी नहीं थी। लेकिन, जाबी अलोंसो और ब्लूज के फैन्स के लिए कुछ बहुत अच्छे संकेत हैं। अलोंसो के शानदार फ्रंट थ्री के साथ, कोल पामर का फॉर्म में वापस आना खास रहा। फुलहम दूसरे हाफ में चेल्सी के खिलाफ गेम जीतने की कोशिश में उतरा और कई बार उन्होंने अलोंसो की टीम को परेशान किया। हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली और चेल्सी तीन पॉइंट्स हासिल किए। चेल्सी का अगला मुकाबला ईएफएल कप में 27 अगस्त को ल्यूटन टाउन से होगा।

जर्मन कप : शाल्के ने हैलेशर को हराया, जेको का करिश्माई प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| बर्लिन

जर्मन कप के पहले राउंड के मुकाबले में एडिन जेको के करिश्माई प्रदर्शन के दम पर शाल्के 04 ने हैलेशर एफसी को अतिरिक्त समय में 5-2 से हराया। एडिन जेको ने दो गोल किए और दो गोल असिस्ट किए। हाफटाइम से ठीक पहले विन कास्टुल (45वें मिनट) के गोल की मदद से हैलेशर ने बढ़त बना ली।

शाल्के ने डेजान के 62वें मिनट किए गए गोल से बराबरी की। हैलेशर के डिफेंडर बुरिम हालिली आदिल औचिचे की डिलीवरी को रोकने की कोशिश में फिसल गए, जिसके बाद डेजान लुबिसिक ने गोल कर दिया। इसके बाद कोच मिरोन मुस्लिक ने जेको और रॉबिन गोसेन्स को मैदान में उतारा, जब शाल्के ने जीत के लिए जोर लगाया। जेको ने 81वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से मेहमान टीम को आगे कर दिया।

जेको ने दागे दो गोल और दो गोल किए असिस्ट

हैलेशर ने जारी रखी लड़ाई

हैलेशर ने लड़ाई जारी रखी। गोलकीपर लोरिस केरियस ने आखिर में एक सेव किया, जिसके बाद निकोलस स्टियरलिन ने स्टॉपेज टाइम में कॉर्नर से गोल करके मैच को अतिरिक्त समय में पहुंचाया। इसके बाद जेको ने शाल्के को मैच पर नियंत्रण स्थापित करने में मदद की। उन्होंने 98वें मिनट में मूसा सिल्ला को क्रॉस देकर स्कोर 3-2 कर दिया। बोस्नियाई खिलाड़ी शाल्के के चौथे गोल में भी शामिल थे, जब सिल्ला ने अतिरिक्त समय के पहले की अवधि के आखिर में स्टॉपेज टाइम में सब्सटीट्यूट जूनियर एडमू को क्रॉस देकर गोल किया। जेको ने 117वें मिनट में गोसेन्स के पास से गोल पूरा किया। शाल्के रविवार को ऑग्सबर्ग में अपने बुंडेसलीगा कैंपेन की शुरुआत करेगा

तीसरे दिन श्रीलंका ने 8 विकेट पर बनाए 265 रन

बारिश ने श्रीलंका को बचाया टीम इंडिया के हाथ में मैच

श्रीलंका को फॉलोऑन टालने के लिए 39 रन की जरूरत, भारत से 238 रन पीछे

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारतीय गेंदबाज सोनल दिनुशा की अगुवाई में श्रीलंका के पुछल्ले बल्लेबाजों के संघर्ष को खत्म करने में नाकाम रहे, जिससे बारिश और खराब रोशनी के कारण मंगलवार को दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल जल्दी खत्म होने तक श्रीलंका ने 8 विकेट पर 265 रन बना लिए थे। दिन के खेल के समापन के समय दिनुशा 85 और लाहिरु कुमारा 8 रन बनाकर क्रीज पर थे। श्रीलंका को फॉलोऑन टालने के लिए अब 39 रन और बनाने हैं। पासिंदु सूरियाबंडारा ने भी 80 रन की शानदार पारी खेली।

सरफराज, सिराज और श्रीलंकाई बल्लेबाजों के बीच हुई जुबानी जंग

पहले सत्र के खेल के दौरान ऋषभ पंत की जगह क्षेत्ररक्षण करने आए सरफराज खान, मोहम्मद सिराज और श्रीलंकाई बल्लेबाजों के बीच हुई जुबानी जंग से यह सत्र और भी रोमांचक हो गया। प्रसिद्ध कृष्णा ने दिन के सातवें ओवर में ही अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे कामिल मिसारा (19) को विकेट के पीछे कैच करा दिया। प्रसिद्ध की तेजी से उठती गेंद को मिसारा नहीं समझ पाए। गेंद उनके बल्ले को चूमकर विकेटकीपर जुरेल के हाथों में चली गई। लेकिन सूरियाबंडारा और कामिंदु मेंडिस (32) ने भारत को लगभग दो घंटे तक विकेट से महरूम रखा। इन दोनों बल्लेबाजों ने मानव सुथार और अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे सारांश जैन को हावी नहीं होने दिया।

सुथार ने की सटीक गेंदबाजी

श्रीलंका ने सुबह 2 विकेट पर 8 रन से आगे खेलना शुरू किया और पहले सत्र में 122 रन जोड़े। बारिश के कारण देर से शुरू हुए दूसरे सत्र में उसने 86 रन जोड़े और इस बीच 3 विकेट गंवाए। मानव सुथार की सटीक गेंदबाजी से भारत ने लंच के बाद श्रीलंका को शुरुआती झटका दिया।

दिनुशा ने खेली लगातार अर्धशतकीय पारी

चाय के विश्राम के समय 7 विकेट पर 216 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए श्रीलंका के जल्दी सिमटने के आसार दिख रहे थे। दिनुशा ने हालांकि लगातार तीसरी पारी में 50 से अधिक रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों को परेशान किया और दो सत्र तक उन्हें विकेट के लिए तरसाए रखा।

जयसूर्या को आईसीसी ने लगाई फटकार

दुबई। श्रीलंका के स्पिनर प्रभात जयसूर्या को कोलंबो में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए फटकार लगाई गई और उनके खाते में एक डिमैरिट अंक जोड़ा गया। आईसीसी ने कहा कि जयसूर्या को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन करते हुए पाया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या पोशाक को नुकसान पहुंचाने से जुड़ा है। आईसीसी ने कहा कि इस खिलाड़ी का पिछले 24 महीने यह पहला अपराध था।

दूसरे दिन के खेल की आखिरी गेंद पर भारतीय स्पिनर मानव सुथार की गेंद पर पगबाधा आउट होने के बाद जयसूर्या ने पवेलियन लौटते समय बाउंड्री पर अपना बल्ला पटका था। जयसूर्या ने अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित दंड को मान लिया। इससे पहले, कोलंबो टेस्ट के पहले दिन मैदान पर हुई झड़प के लिए भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंकाई तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और उनके खाते में एक-एक डिमैरिट अंक भी जोड़ा गया था।

ढाई दिन में मुकाबला खत्म, ईस्ट जोन ने बनाई सेमीफाइनल में जगह

बेंगलुरु। बाएं हाथ के स्पिनर अनुकूल रॉय ने 5 विकेट चटकाए जबकि वैभव सूर्यवंशी ने 4 बॉल पर 2 विकेट लिए, जिससे ईस्ट जोन ने नार्थ ईस्ट जोन को पारी और 210 रन से करारी शिकस्त देकर दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

यह मुकाबला ढाई दिन के भीतर ही समाप्त हो गया। ईस्ट जोन ने पहली पारी में 467 रन बनाए थे, जिसके जवाब में नार्थ ईस्ट जोन की

टीम पहली पारी में महज 111 रन पर सिमट गई। टीम इसके बाद फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में भी 146 रन पर आउट हो गई। तीसरे दिन दूसरी पारी में केवल 50 ओवर में ही मुकाबला समाप्त हो गया।

OFFICE OF CHIEF ENGINEER (CIVIL)
C-1 C-2, Power Companies campus, Dangania, Raipur (CG)- 492013 Phone No. : 0771-2574626
Website : www.cspdcl.co.ine-mail : cecivil.cspdcl@cspc.co.in

No. 04-03/ Civil-Distr/590356 Raipur, dtd. 19.08.2024

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPDCL e-bidding system (SAP SRM) from contractors registered in appropriated class in CSPDCL. The unregistered contractor having work experience in Govt./Public sector undertaking /Local bodies/Power Distribution companies in India only may be considered on submission of experience certificate for following works as mentioned below :-

Tender Specification No.	Name of work	NIT Value
CEC/D/ W/26-27 /39	Construction of A-1 type control room including internal electrification at 33/11 KV S/s Khadgawan under (O&M) Dn. Manendragarh.	10.88 Lacs
CEC/D/ W/26-27/40	Construction of distribution center office building at Dipadih under (O&M) Dn. Balrampur.	14.85 Lacs
CEC/D/ W/26-27 /41	Extension of temporary control room replacement of broken chain link fencing with gate and strengthening of approach road at 33/11 KV S/s Salar under O&M Dn. Sarangarh	9.62 Lacs
CEC/D/ W/26-27 /42	Repair and maintenance works at EE (O&M) Division office building at 33/11 KV S/s premises Pendra Road CSPDCL	8.20 Lacs
CEC/D/ W/26-27 /43	Providing facility of store shed to use as record room at Administrative building Tifra Bilaspur	8.79 Lacs
CEC/D/ W/26-27 /44	Repair and maintenance of control room providing chain link mesh fencing and hume pipe culvert at 33/11 S/s premises Dumarpali under (O&M) Dn.-II CSPDCL Raigarh	7.05 Lacs
CEC/D/ W/26-27 /45	Repair and maintenance work of A-I type control room, strengthening of approach road and hume pipe culvert, providing column gate and replacement of broken yard fencing at 33/11 KV S/s Bonda under (O&M) Dn. Sarangarh	6.98 Lacs
CEC/D/ W/26-27 /46	Repair and maintenance work of A-I type control room and strengthening of approach raod by cement concrete at 33/11 KV S/s Halahuli (O&M) Dn-II CSPDCL Raigarh	6.25 Lacs
CEC/D/ W/26-27/47	Repair and maintenance work at zone office building Mungeli at Mungeli Division office campus CSPDCL	9.42 Lacs
CEC/D/ W/26-27 /48	Repair and maintenance of DC(Rural) office building and providing of 01 no. column gate and 01 no. transformer plateform at 33/11 KV S/S premises Dhramjaygarh under (O&M) Dn. CSPDCL Dharamjaygarh.	9.37 Lacs
CEC/D/ W/26-27 /49	Repair and maintenance of DC(Rural) office building and control room and providing consumer shed in front of DC (Rural) office building at 33/11 KV S/s premises Kosir under (O&M) Dn. CSPDCL Sarangarh.	8.22 Lacs
CEC/D/ W/26-27 /50	Providing approach road by D.C. office building with hume pipe culvert and renovation work of Control Room at 33/11 KV S/s Kuakonda under (O&M) Division Dantewada.	5.51 Lacs

Note – (1) The detailed NIT, Tender document & other details can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding .cspcl. co.in:50724/irj/portal.(ii) NIT value is inclusive of GST@18%

SAVE ELECTRICITY

EXECUTIVE DIRECTOR (CIVIL)
CSPDCL:RAIPUR

शतरंज : खिताब के करीब प्रतीति और मयंक

मुंबई। शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रतीति बोरदोलोई और मयंक चक्रवर्ती आठवें दौर में जीत हासिल करके एशियाई जूनियर क्लासिकल शतरंज चैंपियनशिप में खिताब के करीब पहुंच गए। प्रतीति ने प्रिशिता गुप्ता को हराकर अपने अंको की संख्या संभावित आठ में से सात पर पहुंचा दी है। वह अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी तुर्कमेनिस्तान की महिला कैंडिडेट मास्टर शोहरादोवा लैला से एक अंक आगे है, जिन्होंने दक्षिता कुमावत के साथ बाजी ड्रॉ खेली।

प्रज्ञानानंदा की कीमर पर 19-9 से शानदार जीत

सेंट लुई। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर 19-9 की शानदार जीत हासिल करके आसानी से ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) के अंतिम चरण के फाइनल में जगह बनाई। प्रज्ञानानंदा का फाइनल में मुकाबला खिताब के प्रबल दावेदार और मौजूदा चैंपियन अमेरिका के फैबियानो कारुआना से होगा। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा क्लासिकल गेम जीतने के बाद अंतिम दिन से पहले छह अंकों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी।

उन्होंने लगातार दो रैपिड मुकाबलों में कीमर को हराकर 17-3 की अजेय बढ़त हासिल करके फाइनल में अपनी जगह पक्की कर दी। इसके बाद ब्लिट्ज के पहले गेम में एक और जीत ने उनके अंकों की संख्या 19 तक पहुंचा दी।

कार्यालय प्राचार्य, शशिधर पंडा शासकीय महाविद्यालय सरिया

अतिथि व्याख्याता हेतु विज्ञापन

विषय :- वाणिज्य - 01 पद, आवेदन की अंतिम तिथि दिनांक 29.08.2026 सायं 05.30 बजे तक आमंत्रित किया गया है।

विस्तृत विज्ञापन- महाविद्यालय की बेबसाईट https://www.govtcollegesariya.in में देखें।

प्राचार्य
शशिधर पंडा शासकीय महाविद्यालय
सरिया जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement RFP Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No: /2026 Korba Dated 20.08.2026

Sr. No.	System Tender No.	Name of Work/ Description of Work	Probable Amount of Contract (In Lacs)
1	197951 (1st Call)	Selection of Agency for Operation, Maintenance, Upkeep of Library Services and Operation of Food Court at Central Library, Korba, Chhattisgarh	0.00

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh **http://eproc.cgstate.gov.in** from **20.08.2026 at 15:00 Hours. (IST) onwards.**

Superintending Engineer
Municipal Corporation
Korba (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, डॉ. शक्राजीत नायक शासकीय महाविद्यालय - बरमकेला

अतिथि व्याख्याता हेतु विज्ञापन

विषय :- गणित - 01 पद एवं समाजशास्त्र - 01 पद

आवेदन की अंतिम तिथि
दिनांक 01.09.2026 सायं 05.30 बजे तक

विस्तृत विज्ञापन - महाविद्यालय की बेबसाईट www.govtcollegebaramkela.in में देखें।

प्राचार्य,
डॉ. शक्राजीत नायक शासकीय
महाविद्यालय - बरमकेला

राशिफल

मेष – धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष – वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन – शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क – आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह – सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या – किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक – शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर – व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ – मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन – परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्द पहेली - 6328

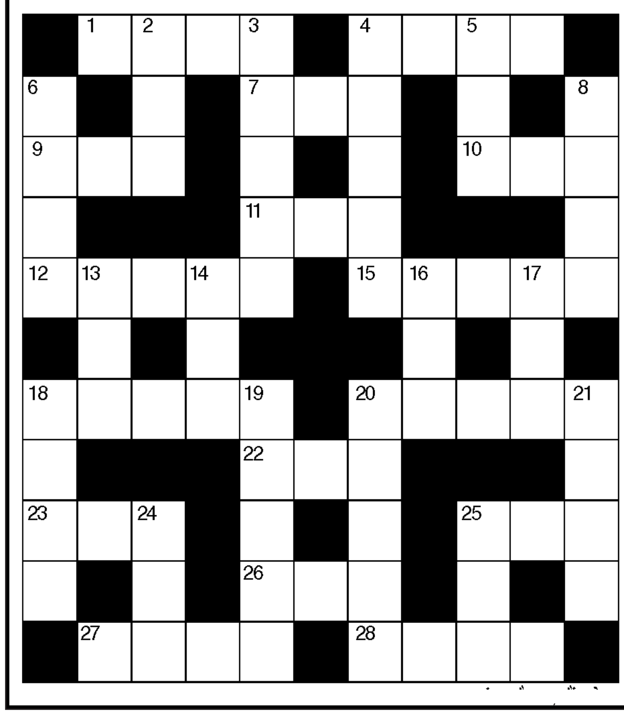

बाएँ से दाए-
1. बेजोड़-4
4. परिचय, निशान-4
7. कला-3
9. सज्जनता, चरित्र, आदर्श-3
10. प्रथा, रिवाज-3
11. उपस्थिति-3
12. सेन्धमार-5
15. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-3,2
18. तड़के, सुबह सवेरे-5
20. चुगली करना-2,3
22. मैला, गंदा-3
23. रसद, आहर पदार्थ-3
25. प्रणाम, नमस्कार-3
26. तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27. स्थायी, प्राचीन-4
28. हुकूमत, राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे
2. मुलाकात, मिलाप-3
3. खून से लथपथ-5
4. लालन-पालन-5
5. सेवक, नौकर, दास-3
6. धोखेबाज-4
8. समान, एक जैसा-4
13. पंकज, जलज-3
14. आघात, चोट-3
16. भरोसा, विश्वास-3
17. कुली, पालकी वाहक-3
18. जुर्म, गुनाह-4
19. स्वदेश वासी-5
20. शतपदी, कनखजूरा-5
21. अहमक, मूर्ख-4
24. स्नान करना-3
25. सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -6327 का हल

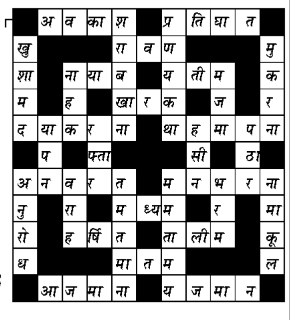

सूडोकु नवताल 6338

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6337 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

मां सीता- प्रभु राम के विवाह में पहली बार बजा था बिहार का यह 'पंचबजना'

मधुबनी। बिहार का प्राचीन लोक वाद्ययंत्र समूह (बैंड) 'रसनचौकी', जिसे स्थानीय भाषा में 'पंचबजना' भी कहा जाता है। मिथिला और मगध क्षेत्र की एक अनूठी सांस्कृतिक धरोहर है। इसमें पांच अलग-अलग पारंपरिक वाद्ययंत्रों को एक साथ एक ही सुर-ताल में बजाया जाता है। यह संगीत समूह शुभ और मांगलिक अवसरों की शुरुआत से लेकर अंतिम संस्कार जैसे मौकों तक बजाया जाता है।

माता सीता के विवाह से जुड़ा पौराणिक संबंध

रसनचौकी की उत्पत्ति पड़ोसी देश नेपाल से मानी जाती है। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ वाद्ययंत्र कलाकार महेंद्र राम (भटसिमरी) के अनुसार, इस वाद्ययंत्र समूह 'पंचबजना' को पहली बार माता सीता और भगवान श्री राम के विवाह उत्सव में बजाया गया था। तब से यह परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी सीखकर और सिखाकर आज तक जीवित रखी गई है।

किन पांच वाद्ययंत्रों से मिलकर बनता है रसनचौकी?

रसनचौकी में पांच प्रमुख वाद्ययंत्र शामिल होते हैं। जिन्हें कलाकार एक साथ लयबद्ध तरीके से बजाते हैं। ढोल थाप पर आधारित मुख्य ताल वाद्य. तबली लय बनाए रखने के लिए इस्तेमाल होने वाला छोटा ढोल जैसा यंत्र. खुरदक थाप देने वाला एक अन्य पारंपरिक ताल वाद्य. कारा/झाल धातु की थाप से गूंज और ताल उत्पन्न करने वाला यंत्र।

विलुप्त होने की कगार पर प्राचीन कला : आधुनिक वाद्ययंत्रों और डीजे के बढ़ते दौर में यह पारंपरिक लोक कला धीरे-धीरे विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई है। हालांकि, हाल ही में केंद्र सरकार और राष्ट्रपति द्वारा ऐसे प्राचीन वाद्ययंत्रों के कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित कर इस विलुप्त होती धरोहर को सहेजने और पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया है।

जीवन चक्र का संगीतः मुंडन से लेकर अंतिम यात्रा तक

रसनचौकी का उपयोग मुंडन, जनेऊ, विवाह और अन्य सांस्कृतिक उत्सवों में स्वागत तथा आह्वान संगीत के रूप में किया जाता है। इसके साथ ही समाज में किसी महान या सम्मानित व्यक्ति के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए भी इसकी विशेष धुनें बजाई जाती हैं। आसान शब्दों में कहें तो यह वाद्ययंत्र शिशु के जन्म के उल्लास से लेकर जीवन के अंतिम पड़ाव तक की संवेदनाओं को व्यक्त करता है।

सेहत

नई स्टडी से चौंके डॉक्टर

ना बीपी, ना डायबिटीज... फिर भी 40 से पहले बेहाल हो रहीं धड़कनें

उम्र बढ़ने के साथ-साथ ही अंगों का ढीला पड़ना और उनके कामकाज में दिक्कत आने लगना सामान्य बात है। इनमें दिल की धड़कन बढ़ना मभी शामिल है। माना जाता है कि 40 साल की उम्र के बाद इंसान का शरीर ढलान की ओर जाने लगता है, जिससे उसके दिल की धड़कनें बढ़ने लग जाती हैं।

न्यूयार्क। ऐसे में एक सवाल उठता है कि कुछ लोगों में उम्र से 40 साल पहले ही दिल की धड़कन क्यों बिगड़ने लगती है? इसके पीछे क्या वजहें हो सकती हैं। क्या यह जेनेटिक होती है या किसी अन्य वजहों से ऐसा होता है।

साइंस टेक डेली डॉट कॉम में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, 40 साल की उम्र से पहले ही हार्टबीट तेज या अनियमित हो जाना सामान्य घटना नहीं होती। असल में यह एट्रियल फिब्रिलेशन दिल से जुड़ी एक बीमारी है। यह बीमारी तब शुरू होती है, जब दिल के ऊपरी हिस्से (एट्रिया) में गड़बड़ इलेक्ट्रिकल सिग्नल बनने लगते हैं। इसकी वजह से निचले हिस्से के तालमेल के बिना दिल बहुत तेज़ी और बेतरतीब ढंग से धड़कने लगता है। ऐसा होने पर दिल के अंदर खून जमा होने लगता है, जिससे खून के थक्के बन सकते हैं। इसके चलते ब्रेन स्ट्रोक, पैरालिसिस या मौत भी हो सकती है।

जेनेटिक बदलाव से बढ़ जाती है समस्या

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि एक दुर्लभ जेनेटिक बदलाव के साथ-साथ अगर शरीर में आम डीएनए बदलावों का बोझ ज़्यादा हो, तो कम उम्र में ही एएफआईबी होने का ख़तरा दोगुना हो जाता है। इस रिसर्च में कई और चौंकाने वाले राज सामने आए, जिसका डॉक्टर दरबार ने खुलकर खुलासा किया।

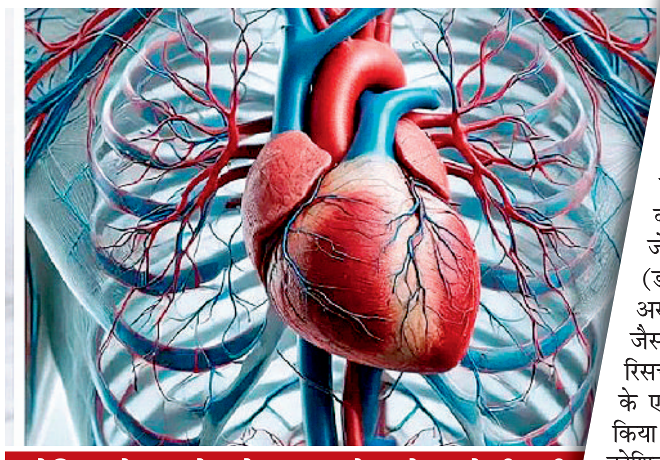

अमेरिका में 1 करोड़ से ज्यादा लोग झेल रहे बीमारी

हालिया आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में ही कम से कम 1 करोड़ से ज़्यादा वयस्क इस बीमारी से जूझ रहे हैं। इस बीमारी को आम तौर पर बढ़ती उम्र, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और दिल की पुरानी बीमारियों से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन कई बार यह बीमारी जीन्स के कारण 30 या 40 साल की उम्र में ही हमला कर देती है। पेन स्टेट कॉलेज ऑफ मेडिसिन में विभागाध्यक्ष डॉ. दाऊद दरबार कहते हैं कि बहुत से लोगों को एएफआईबी का पहला लक्षण तब पता चलता है, जब उन्हें सीधा स्ट्रोक पड़ता है। अगर हम एक भी इंसान को स्ट्रोक से बचा सकें, तो उस मरीज़ और उसके परिवार के लिए यह बहुत बड़ी राहत होगी।

जब जेनेटिक ख़तरे मिलकर बिगाड़ रहे दिल का तालमेल

डॉ. दरबार की अगुवाई में इस बीमारी पर एक रिसर्च हुई है। इस रिसर्च में यह जानने की कोशिश की गई कि जेनेटिक म्यूटेशन (डीएनए में बदलाव) का असर हर इंसान पर एक जैसा क्यों नहीं होता? रिसर्च में एलएमएनए नाम के एक जीन का अध्ययन किया गया। यह जीन कोशिकाओं के अंदर डीएनए को सही तरीके से व्यवस्थित रखता है। जब इस जीन में ख़राबी आती है, तो दिल की धड़कन को नियंत्रित करने वाले जीन्स सही से काम नहीं कर पाते। जब इस दुर्लभ ख़राबी के साथ शरीर के अन्य सामान्य जेनेटिक ख़तरे भी जुड़ जाते हैं। ऐसे में इंसान जवानी में ही इस बीमारी की चपेट में आ जाता है।

ये है अंडों का शहर! हर दिन पैदा होते हैं 6 करोड़ अंडे

चेन्नई। भारत में एक ऐसा शहर है जिसे अंडों का शहर या एग सिटी कहा जाता है। तमिलनाडु का नमक्कल जिला आज देश का सबसे बड़ा अंडा उत्पादन केंद्र बन चुका है। यहां हर दिन करीब 6 से 7 करोड़ अंडे पैदा होते हैं। ये आंकड़ा न्यूजीलैंड की पूरी आबादी से कई गुना ज्यादा है। हैरानी की बात ये है कि इस शहर का मौसम खेती के लिए खास अनुकूल नहीं था। ऐसे में कुछ उद्यमियों ने छोटी शुरुआत की और आज ये विशाल उद्योग खड़ा हो गया है।

1960 के दशक के अंत में नमक्कल में ट्रांसपोर्ट बिजनेस से जुड़े कुछ लोगों ने पोल्ट्री फार्मिंग शुरू की थी। शुरुआत झोपड़ीनुमा शेड्स और सीमित मुर्गियों से हुई थी। कुछ रिपोर्ट्स में इसे मात्र सौ मुर्गियों जैसी छोटी स्केल से जोड़कर देखा जाता है। धीरे-धीरे और लोग इसमें शामिल होते गए। 1990 तक हजारों छोटे फार्म हो गए। बाद में आधुनिकीकरण हुआ तो फार्म कम हो गए लेकिन उत्पादन कई गुना बढ़ गया। आज करीब 1100 बड़े और मध्यम फार्म हैं जहां करोड़ों लेयर मुर्गियां अंडे देती हैं।

Ajay Advt.

HDFC BANK | SBI | स्कूटर चलाते वक्त हमेशा हेल्मेट पहनें. | tvsjupiter | www.tvsmotor.com/tvs-jupiter | Call: 1800 315 7777

^ Limited period offer. # T&C apply. Finance will be at the sole discretion of the financier. ## 5% Instant cashback of up to ₹ 7 500 on HDFC & SBI credit card EMI transactions. Scheme valid till 31st August, 2026. + 5 year warranty included. Additional 5 year warranty can be purchased at ₹ 999. ** Ex-showroom price of TVS Jupiter 110 BS VI Drum variant in Chhattisgarh. * Under TVSM internal test conditions.

FOR ALL INSTITUTIONAL/BULK REQUIREMENTS PLEASE MAIL corporate.customersupport@tvsmotor.com मुख्य अधिकृत डीलर – बिलासपुर – तिफरा : चंद्रा मोटर्स, मो. 9109119171, सरकण्डा : बिलासपुर टीवीएस, मो. 8359061000, चंद्रा मोटर्स, मो. 8962006914, मुंगेली : बिलासपुर टीवीएस, मो. 8357807000, अंबिकापुर : श्री महामाया ऑटो एजेंसी, मो. 9301307270, श्री राम मोटर्स, मो. 9171804284, बैकुंठपुर : अग्रवाल मोटर्स एजेंसी एलएलपी, मो. 6268651046, बलौदाबाजार : कनिका आटोमोबाइल्स प्रा. लिमिटेड, मो. 8979428844, बेमेतरा : श्री अरिहंत ऑटोमोटिव (ओपीसी) प्रा. लिमिटेड, मो. 8827790000, चंपा : नंदिका ऑटोव्हील्स प्राइवेट लिमिटेड, मो. 9201591180, 9201591181, जांजगीर : अपराजिता सर्विसेज, मो. 9131457200, कोरबा : तुलसी ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड, मो. 9770100007, श्रीराम व्हीकल्स एलएलपी, मो. 7987237046, रायगढ़ : अपराजिता सर्विसेज, मो. 9425251711, सूरजपुर : जय दुर्गा मोटर्स, मो. 9340355399. अधिकृत डीलर – लैलुंगा : श्री श्याम सेल्स, मो. 9424188181, धरमजयगढ़ : अर्जुन ऑटोमोबाइल, मो 7415553407, कुसमी : सांई ऑटो, मो. 9691065198, राजपुर : मंगलम मोटर्स, मो. 7999592521, बलरामपुर : अभ्यास ऑटोमोबाइल्स, मो. 9977880870, वाड्रफनगर : सुभाष मोटर्स, मो. 7509919525, तपकरा : सोनू ऑटोमोबाइल्स, मो. 9755248064, कुनकुरी : दीपक मोटर्स, मो. 8839304665, जशपुरनगर : शिव शक्ति ऑटो, मो. 9302737741, बिश्रामपुर : गोपाल कृष्णा मोटर्स, मो. 7566290727, प्रेमनगर : राजेंद्र ऑटोमोबाइल्स, मो. 9039291161, श्री नगर : सुमित ऑटो, मो. 8817292750, सिगमा : लक्ष्मी मोटर्स, मो. 9406122234, पटना : अनन्या ऑटो एजेंसी, मो. 7898880005, मनेन्द्रगढ़ : श्री राम सेल्स, मो. 9406462666, प्रतापपुर : टाइटन ऑटोमोबाइल्स, मो. 9753373609, रामानुजगंज : गणपति ऑटोमोबाइल्स, मो. 8878214520, रेंगाखर : गणपति ऑटोमोबाइल्स, मो. 9981893829, सीतापुर : शंकर ऑटोमोबाइल्स, मो. 8889272331, बतौली : जे.के. ऑटोमोबाइल्स, मो. 8839756338, जरही : मां महामाया ऑटो, मो. 9893422986, बाराद्वार : मां शारदा ऑटो एजेंसी, मो. 8871871872, सारंगढ़ : श्री राम ऑटोमोबाइल्स, मो. 9302924696, पेंड्रा : सुमित मोटर्स, मो. 9406007324, गिधौरी : प्रियदर्शी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9770096600, तखतपुर : कौशिक ऑटो, मो. 7898677598, गौरेला : मित्तल मोटर्स, मो. 9424153222, शिवरीनारायण : प्रियदर्शी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9770096600, उसलापुर : चंद्रा मोटर्स, मो. 8982438075, खाड़ोरा : रुचि ऑटो, मो. 9893329726, मस्तूरी : श्री कबीर मोटर्स, मो. 8770386492, अकलतरा : भवानी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9425230512, शक्ति : जिंदल ऑटो, मो. 9329415747, हरदीबाजार : दुर्गेश एजेंसी, मो. 9977562537, पाली : जीत एजेंसी, मो. 9691548018, भाटापारा : इंडियन मोटर्स मो. 9302622777, पलारी : कनिका मोटर्स, मो. 8979428844, 6268360105, कांसाबेल : अंजना मोटर्स, मो. 7024312738, लटोरी : जय बालाजी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9575401953, नवागढ़ : श्री एम.के. मोटर्स, मो. 8120007666, देवकर : सपाहा मोटर्स, मो. 9179534363, राहौद : नंदिका ऑटो व्हील्स, मो. 9201591188, पामगढ़ : आर.के. मोटर्स, मो. 9522544401 थानखम्हरिया: अरिहंत ऑटो, मो. 9993179413, डिंडे: अंसारी मोटर्स, मो. 7697146786, खरसिया : वंश ऑटो एजेंसी, मो. 9179814142, सरायपाली : श्री मंगलम मोटर्स, मो. 7828276101, बेरला : आर के मोटर, मो. 8085403067, चंद्रपुर : गणपति मोटर्स, मो. 7225851900, लिमतारा : मां बम्लेश्वरी, मो. 7683839595, लखनपुर : श्रीराम मोटर्स, मो. 9399743838, जैजैपुर : सिद्धार्थ मोटर्स, मो. 8462045291, ब्रम्हांडीह : बालाजी ऑटो, मो. 8305139373, बोड़ला : राहुल मोटर्स, मो. 9575991111, कसडोल : साई मोटर्स, मो. 9424222722, खोखरा : राजेंद्र एजेंसी, मो. 9131198070.

dentsu/hrb bil/03/26

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com